संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 43
पृष्ठ 8
बुधवार
30 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर की इन चीजों की जगह....

विचार- बहुत खास हैं खरगे....

खेल- तीसरे टेस्ट में भी नहीं ....

## युवाओं के रोजगार उद्देश्य से 21 देशों के साथ आव्रजन समझौता : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है और देश के बाहर भी रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए भारत ने हाल के वर्षों में 21 देशों के साथ आव्रजन एवं रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं। श्री मोदी सरकार के रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कहा, "विदेशों में भी भारतीय युवाओं को आसानी से नौकरी मिले, इसके लिए भी भारत सरकार नए मौके बना रही है।" उन्होंने कहा, "भारत ने हाल के वर्षों में 21 देशों के साथ आव्रजन और रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं। इनमें खाड़ी क्षेत्र के देशों के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, मॉरिशस, इजरायल, ब्रिटेन और इटली जैसे बहुत आर्थिक रूप से संपन्न देश शामिल हैं।" उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ समझौते के तहत पढ़ाई करने हर साल तीन हजार भारतीय दो साल का वीजा

हासिल कर सकते हैं। इसी तरह जर्मनी ने भारत के लिए कौशल सम्पन्न कार्यबल रणनीति जारी की है। जर्मनी ने हर वर्ष 90 हज़ार वीज़ा देना तय किया है। पहले यह संख्या 20 हजार थी। प्रधानमंत्री ने कहा, "देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारी प्रतिबद्धता है। सरकार की नीतियां और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है।" उन्होंने कहा कि इस समय आर्थिक एवं सामाजिक अवसरंचान के क्षेत्र में बड़े स्तर के विकास तथा विनिर्माण उद्योगों के प्रोत्साहन से भारत में रोजगार के अवसरों का तेजी से विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। श्री मोदी ने कहा कि सड़क, रेल, बंदरगाह जैसी आर्थिक अवसंरचना सुविधाओं पर पैसे खर्च कर सरकार लॉजिस्टिक्स की लागत कम करने की कोशिश कर रही है। इससे साथ–साथ करोड़ों की संख्या में रोजगार के भी नए मौके बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का रोजगार मेला कार्यक्रम रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। श्री मोदी ने कहा, "अभी–अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है।" उन्होंने कहा, "आज जब हम कोई योजना प्रारंभ करते हैं..तो हमारा फोकस सिर्फ लोगों को मिलने वाले लाभ पर ही होता है, ऐसा नहीं है, हम बहुत बड़े दायरे में सोचते हैं। बल्कि हम उसके माध्यम से रोजगार सृजन का पूरा वातावरण भी विकसित करते हैं।" इसी संदर्भ में उन्होंने जैसे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का जिक्र किया जिसमें पिछले छह महीने में सवा करोड़ डेढ़ करोड़ करीब–करीब लोगों ने, ग्राहकों ने इस योजना के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। पांच लाख से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, "इस एक योजना ने निर्माता, आपूर्तिकर्ता, भंडारण और मरम्मत करने के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर तैयार कर दिए हैं।" उन्होंने कहा कि नौ हजार से ज्यादा आपूर्तिकर्ता इस योजना के साथ जुड़ चुके हैं, जो ये फिटिंग का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में इस योजना के तहत एक मॉडल के रूप में, देश के अलग–अलग कोने में 800 सोलर विलेज (सौर ऊर्जा गांव ) बनाने की तैयारी है। इस योजना के तहत अब तक 30 हजार लोगों ने रूफ टॉप पर सोलर स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि विकास की यह गति पहले क्यों नहीं दिखती थी। श्री मोदी ने कहा, "इसके लिए पहले की सरकारों में नीति और नीयत, दोनों का अभाव था।" उन्होंने कहा कि सरकार भारत के युवाओं की क्षमता बढ़ाने के के काम पर बहुत अधिक ध्यान दे रही है। विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साह योजनाएं (पीएआई स्कीमें) चलायी जा रही है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में पेड इंटर्नशिप का प्रावधान किया गया है।

## शाह ने सरदार पटेल की जयंती पर 'एकता दौड़' को रवाना किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के पहले गृह मंत्री , भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती श्राष्ट्रीय एकता दिवसश के मौके पर मंगलवार को यहां श्एकता दौड़श को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड़ का आयोजन मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में किया गया। सरदार पटेल की जयंती को हर वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री शाह ने कहा, इस बार 31 अक्टूबर को दिवाली का त्योहार है। इसलिए एकता दौड़ का आज 29 अक्टूबर धनतेरस के शुभ अवसर पर आयोजित करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2014 को देश की एकता और अखंडता के लिए सरदार पटेल की याद में हर वर्ष एकता दौड़ का आयोजन करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि यह दौड़ सिर्फ भारत की एकता का संकल्प नहीं है, अब यह श्विकसित भारतश का संकल्प भी बन गया है। उन्होंने कहा , यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्षों तक सरदार पटेल को भूलने की कोशिश की गई। वर्षों तक उन्हें भारत रत्न सम्मान से वंचित रखा गया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करके सरदार पटेल की स्मृति को जीवित रखने का काम किया है। बाद में श्री शाह ने श्एकता दौड़श को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। दौड़ में भाग लेने के लिए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए थे।

## सीकर में पुलिया से टकराई बस, 12 की मौत

राजस्थान के सीकर जिले में मंगलवार को एक बस के पुलिया से टकरा जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक अन्य घायल हो गए। बस सालासर से आ रही थी और सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ पहुंचने के बाद एक पुलिया से टकरा गई। कई यात्रियों की हालत गंभीर है। घायलों को लक्ष्मणगढ़ के नजदीकी अस्पताल में लाया गया है। एसके अस्पताल के अधीक्षक महेंद्र खीचड़ ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ में सात मौतें हुई हैं। एसके अस्पताल में कुल 37 मरीज पहुंचे, जिनमें से दो की मौत हो गई और तीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। सात मरीजों को आगे के इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया है, जबकि लगभग 22 से 23 अन्य का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

सभी देशवासियों को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थापित: 2001 संस्थापक: स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक/संयम/संस्कार/संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238 I, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज-211002

Mobile No.: 9450482227, 9005239332
E-mail: shaharsamta@gmail.com / Website: www-shaharsamta-com

# दिसंबर में टली तो कुंभ के बाद ही होगी आरओ-एआरओ परीक्षा, कैलेंडर में 22 दिसंबर है प्रस्तावित

प्रयागराज। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के कैलेंडर में 22 दिसंबर को प्रस्तावित है। परीक्षा समय पर होगी या नहीं, इस पर असमंजस है। अगर परीक्षा टलती है तो महाकुंभ के बाद ही होने की उम्मीद है। इस बीच आयोग पर पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के आयोजन पर निर्णय लेने का दबाव बढ़ गया है। आयोग को जल्द ही यह तय करना है कि परीक्षा कब होगी और इसका प्रारूप क्या होगा। यह परीक्षा भी दिसंबर की शुरुआत में प्रस्तावित है। केंद्र निर्धारण से लेकर प्रारंभिक परीक्षा के आयोजन पर निर्णय लेने के लिए आयोग के पास डेढ़ माह से भी कम समय बचा है। अगर आयोग पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा दिसंबर में कराता है तो दो हफ्ते बाद ही कैलेंडर में प्रस्तावित आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा कराने की भी उसके सामने चुनौती होगी। ऐसे में आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा टलने के आसार हैं। आयोग के सूत्रों का कहना है कि पीसीएस परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पर काम चल रहा है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। परीक्षा अगर दो दिनों में कराई जाती है तो आयोग को अलग–अलग पेपर तैयार कराने होंगे। साथ ही परीक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत पड़ेगी। अगर शासन के मानक के अनुसार पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था हो जाती है तो परीक्षा पहले की भांति एक दिन में कराई जा सकेगी। वहीं, अभ्यर्थी एक दिन की परीक्षा के लिए अड़े हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि दो दिन की परीक्षा में एक समान मूल्यांकन के लिए मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) होगा, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। पिछले दिनों आयोग में छह घंटे तक धरना–प्रदर्शन और चक्काजाम करने वाले अभ्यर्थियों ने तो यह भी कहा कि आयोग चाहे तो कुछ वक्त और ले सकता है। परीक्षा को कुछ दिनों के लिए टाल दिया जाए और पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था होने के बाद एक दिन में ही परीक्षा कराई जाए। अभ्यर्थियों को अब आयोग के निर्णय का इंतजार है। सरकारी कर्मचारी भी अब कायस्थ पाठशाला (केपी ट्रस्ट) के अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य पद का चुनाव लड़ सकेंगे। केपी ट्रस्ट की गवर्निंग बॉडी ने इस निर्णय पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही सरकारी कर्मचारियों के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता फिर साफ हो गया है। पूर्व में भी सरकारी कर्मचारी केपी ट्रस्ट का चुनाव लड़ सकते थे लेकिन बाद में इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने पुरानी व्यवस्था को बहाल करते हुए सरकार के नियमित कर्मचारियों के लिए भी चुनाव लड़ने का रास्ता खोल दिया है। हालांकि, नई व्यवस्था में यदि कोई सरकारी कर्मचारी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ता है तो चुनाव जीतने के बाद सरकारी नौकरी से इस्तीफा देना होगा। वह अपने पास कोई एक पद ही रख सकेगा। दूसरे जिलों, राज्यों या विदेशों से आने वाले कायस्थ पाठशाला के सदस्यों को अब यहां ठहरने की जगह ढूंढ़ने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। बहुत ही मामूली शुल्क में उन्हें धर्मशाला में ठहरने की सुविधा मिलेगी। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने बताया कि केपी कम्युनिटी सेंटर के बगल में इस धर्मशाला का निर्माण कराया जा रहा है। सोमवार को धर्मशाला के ग्राउंड फ्लोर की छत भी पड़ गई। कुंभ तक दो तल बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके बाद बाकी के तल बनवाए जाएंगे। इसमें 32 कमरे और तीन बड़े हॉल होंगे। केपी ट्रस्ट का अब अपना अंग्रेजी माध्यम स्कूल होगा। इस स्कूल का संचालन हरिवंश राय बच्चन के नाम पर किया जाएगा। इसके लिए केपी नर्सरी और केपी कॉन्वेंट को शिफ्ट किया जा रहा है।

जल्द ही इस स्कूल के लिए भूमि पूजन किया जाएगा और इसके बाद निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। केपी ट्रस्ट की ओर से मुंशी प्रेमचंद एकेडमी का निर्माण भी कराया जाएगा। केपी ट्रेनिंग कॉलेज के सामने ट्रस्ट की एक संपत्ति को नगर निगम ने सील कर दिया था। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा के अनुसार इस संपत्ति को छुड़वा लिया गया है और अब इस पर मुंशी प्रेमचंद एकेडमी का निर्माण कराया जाएगा। इस एकेडमी में साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

## गंगा नहाने गए दो चचेरे भाई डूबे, एक का शव बरामद, घर पर चल रही थी गृहप्रवेश की तैयारी

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के अमिलौटी गांव में गंगा स्नान करने गए दो चचेरे भाई गहरे पानी में समा गए। घाट पर मवेशी चरा रहे युवक ने दोनों को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद एक किशोर का शव बरामद कर लिया। दूसरे की तलाश जारी है। एनडीआरएफ की टीम को मंगलवार बुलाया गया है। अमिलौटी गांव के रहने वाले राकेश पांडेय और राजेश पांडेय सगे भाई हैं। राकेश परिवार के साथ कोलकाता में रहकर नौकरी करते हैं, जबकि राजेश प्रयागराज में प्राइवेट वाहन चलाते हैं। सोमवार को इनके नवनिर्मित भवन का गृह प्रवेश था। राकेश कोलकाता से सपरिवार गांव आए थे। सुबह से गृह प्रवेश की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान राकेश का लड़का उत्कर्ष (14) और राजेश का लड़का पीयूष (12) घर पर बिना किसी को बताए अमिलौटी के डमरूपुर गंगा घाट पर नहाने चले गए। स्नान करते समय उत्कर्ष गहरे पानी में चला गया। उसको डूबते देख पीयूष ने बचाने का प्रयास किया तो वह भी पानी में समा गया। घाट के किनारे मवेशी चरा रहे युवक ने दोनों को डूबते देखा तो गंगा में छलांग लगा दी और दोनों को बचाने का प्रयास करने लगा, लेकिन सफलता नहीं मिली। भागकर वह गांव पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। गोताखोरों ने पहुंचकर खोजबीन शुरू की तो उत्कर्ष का शव बरामद हो गया। पीयूष का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मंगलवार को एनडीआरएफ टीम को बुलाया है। घटना के बाद घाट पर भारी भीड़ जुटी रही। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल रहा। सारी खुशियां गम में बदल गईं। गंगा में समाने वाले पीयूष का जन्मदिन मंगलवार को है। गृह प्रवेश के साथ जन्मदिन की भी तैयारी चल रही थी। अचानक दोनों के डूबने की खबर से परिवार में गम का माहौल छा गया। दोनों दो–दो भाई हैं। दोनों भाइयों में छोटे हैं। परिजनों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों की भी आखें नम हो गईं। हंडिया। सोमवार को गृह प्रवेश कार्यक्रम के लिए परिवार और रिश्तेदार खुशी के माहौल में घर पर जुटे हुए थे। दोनों चचेरे सगे भाइयों की गंगा में डूबने की घटना से खुशियां मातम में बदल गई। पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही हंडिया कोतवाल बृजकिशोर गौतम पुलिस बल सहित गंगा घाट पर पहुंच गए। उत्कर्ष के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । तथा पीयूष की तलाश के लिए उन्होंने एनडीआरएफ टीम को सूचना दे दी है। मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर पीयूष को खोजने में जुटेगी।

## पूर्व आईजी डीके पंडा से 381 करोड़ रुपए की ठगी, दूसरी राधा बनकर आए थे चर्चा में

प्रयागराज। दूसरी राधा बनकर चर्चा में आए पूर्व आईपीएस अफसर डीके पंडा से 381 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। धूमनगंज थाने में उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले में की छानबीन में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी डीके पंडा से 381 करोड़ रुपये की ठकी का मामला प्रकाश में आया है। घटना की रिपोर्ट धूमनगंज थाने में दर्ज कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है। पूर्व आईपीएस पंडा का दावा है कि लंदन की एक कंपनी में ट्रेडिंग करके उन्होंने 381 करोड़ रुपये कमाए थे। मूल रूप से उड़ीसा के रहने वाले डीके पंडा 1971 बैच के आईपीएस अफसर रहे हैं। 2015 में दूसरी राधा का रूप त्याग कर कृष्णानंद बन गए थे। वह काफी समय से प्रयागराज में धूमनगंज थाना क्षेत्र के प्रीतमनगर में रहते हैं। अपने पूर्व रूप कृष्ण प्रिया (दूसरी राधा) के बारे में वह बताते हैं कि 2005 में भगवान के आदेश पर उन्होंने यह रूप धारण किया था।

2015 में भगवान कृष्ण उनके सपने में आए और यह रूप त्यागने को कहा, जिस पर उन्होंने ऐसा ही किया। 2017 से वह बाबा कृष्णानंद के रूप में रहकर भक्ति कर रहे हैं। अब वह पूर्व की तरह नारी रूप में नहीं रहते। बल्कि संत की तरह पीत वस्त्र धारण कर रहते हैं। 1971 बैच के आईपीएस अफसर पूर्व आईजी डीके पंडा मूल रूप से उड़ीसा के रहने वाले हैं। 2005 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तब उनकी तैनाती लखनऊ में आईजी रूल्स एंड मैनुअल के पद पर थी। 2005 में तब वह सुर्खियों में आए, जब उन्होंने महिला का रूप धरकर खुद को दूसरी राधा घोषित कर दिया था। वह महिलाओं की तरह सोलह शृंगार करने लगे थे। मांग में सिंदूर व माथे पर बिंदी लगाने के साथ ही कानों में बाली, नाक में नथ, पैरों में घुंघरू पहनने लगे थे।

## 7 साल बाद पिता की हत्या का बदला: भदोही में शूटर्स से कराई प्रिंसिपल की हत्याय जगह-वक्त भी एक जैसा

भदोही। करीब 27 साल पहले एक युवक के पिता की हत्या हुई। आज 28 साल का हो चुका वह युवक तब सिर्फ 5 महीने का था। उसके पिता की हत्या में दो लोग नामजद हुए, लेकिन दोनों बरी हो गए। लेकिन युवक के मन में बदले की भावना पनपती रही। 21 अक्टूबर को उसने भदोही में कॉलेज के प्रिंसिपल योगेंद्र बहादुर सिंह की हत्या कर दी। इसके लिए उसने 3 शूटर्स को 5 लाख रुपए देकर हायर किया। पुलिस ने मंगलवार (29 अक्टूबर) को प्रिंसिपल हत्याकांड का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार मुख्य आरोपी सौरभ सिंह ने पुलिस को बताया– 1997 में मेरे पिता अजय बहादुर सिंह की हत्या की गई थी। हत्या में योगेंद्र बहादुर सिंह और उसके भाई अनिल सिंह नामजद हुए थे। बाद में वह कोर्ट से बरी हो गए थे। बदला लेने के लिए मैंने प्रिंसिपल की हत्या की। पुलिस ने बताया कि जिस तरह से सौरभ के पिता की हत्या हुई थी, उसी अंदाज में शूटर्स ने योगेंद्र बहादुर की हत्या की। सौरभ मास्टरमाइंड था। उसने 3 शूटर्स को हायर किए। रेकी कर पूरी वारदात की। पुलिस पूछताछ में सौरभ ने बताया– जब मेरे पिता की हत्या हुई थी, तब मैं 5 महीने का था। मैं जब बड़ा हुआ, तो मां ने मुझे पिता की हत्या के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद मैंने पूरे मामले के बारे में पता किया। वकीलों से भी बातचीत की। जब मैंने पूरी बातों का पता लगा लिया, तो लगा कि मेरे पिता के साथ गलत हुआ था। उनकी हत्या योगेंद्र बहादुर और घ्उसके भाई अनिल सिंह ने ही की थी। मैंने भी बदला लेने के लिए प्रिंसिपल की हत्या की पूरी साजिश रची। मैंने कलीम समेत 3 शूटर्स को हायर किया। कलीम को मैं पहले से जानता था। वह प्रयागराज के फाफामऊ रहने वाला है। 35 साल के कलीम पर 12 मुकदमे भी दर्ज हैं। मैंने कलीम को 5 लाख रुपए की सुपारी दी। दो अलग–अलग शूटर्स के साथ प्रिंसिपल के गांव और विद्यालय की रेकी की। पहले 19 अक्टूबर को प्रिंसिपल की हत्या का प्लान था, लेकिन हम लोग सफल नहीं हो पाए। 21 अक्टूबर को सुबह बाइक सवार दो शूटर प्रिंसिपल के घर पर और दो शूटर कॉलेज में थे। स्कूल वाले शूटर्स ने प्रिंसिपल की हत्या कर दी। सौरभ शिवकुटी में घरों के नक्शे बनाने का काम करता है। सौरभ सिंह की उम्र 28 साल है। उसके परिवार में मां और पत्नी है। एक बहन है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह अपनी ससुराल में रहती है। भदोही में 21 अक्टूबर को इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल योगेंद्र बहादुर सिंह (55) की हत्या कर दी गई थी। वारदात के दिन सुबह करीब 9.30 बजे वह ड्राइवर के साथ कार से अमिलोरी गांव स्थित अपने घर से कॉलेज जा रहे थे। प्रिंसिपल के साथ कार में मौजूद ड्राइवर संतोष ने बताया था– प्रिंसिपल अपने घर से 700 से 800 मीटर की दूरी पर बसवानपुर गांव पहुंचे थे। इस बीच अपाचे बाइक पर सवार दो युवक हाथ में मोबाइल लिए सामने से आते दिखाई दिए। हमलावरों ने कार को हाथ देकर रुकवाया। कार रोकी तो हमलावरों ने शीशा नीचे करके मोबाइल लेने की बात कही। शीशा बंद होने के चलते उनकी आवाज सुनाई नहीं दी। प्रिंसिपल ने जैसे ही कार का शीशा खोला, दोनों हमलावरों ने हथियार निकाल कर उन पर अंधाधुंध फायरिंग की। हमलावरों ने 10 गोलियां चलाईं। 5 प्रिंसिपल को लगीं। कार के अंदर मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्याकांड की जांच शुरू की। 5 टीमें बनाईं। स्कूल से लेकर परिवार और पड़ोसियों से बातचीत की। लेकिन, हत्या की कोई वजह नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद पुलिस ने जिस दिशा में शूटर्स भागे थे, उधर 80 किमी में 200 ब्ब्ज्ट फुटेज खंगाले। एक फुटेज में पुलिस को शूटर की फोटो मिल गई। पुलिस टीम ने प्रयागराज और आसपास के जिलों में मुखबिर एक्टिव किए। फोटो किसकी है? इसका पता लगवाया। पुलिस एक शूटर कलीम तक पहुंच गई। इसके बाद मास्टरमाइंड सौरभ तक...और हत्याकांड का खुलासा हुआ।

### बसपा प्रत्याशी को मिला पूर्व प्रत्याशी का समर्थन:

## फूलपुर उपचुनाव में बढ़ी प्रत्याशियों में कांटे की टक्कर

प्रयागराज। फूलपुर उप चुनाव में बसपा प्रत्याशी जितेंद्र सिंह को पूर्व प्रत्याशी शिवबरन पासी का समर्थन मिलने के बाद से क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। ऐसे में चुनाव को लेकर पार्टियों में टक्कर भी कांटे की हो गई है। मंगलवार को पूर्व प्रत्याशी और 2012 से 2024 तक विधान सभा फूलपुर के अध्यक्ष

रहे शिवबरन ने प्रत्याशी को समर्थन देते हुए उनका चुनाव प्रचर करने की घोषणा की है। कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता मिलकर चुनाव प्रचार करेंगे। जिससे उपचुनाव में पार्टी जीत दिलाई जा सके। शहर के हेतापट्ष्टी के रहने वाले शिवबरन 2009 में बहुजन समाज पार्टी में शामिल हुए थे। उसके बाद से ही पार्टी में सक्रिय है। दो महीने पहले ही पार्टी ने उनको विधानसभा का प्रभारी बनाया था।अभी तक ज्यादातर पार्टी की तरफ से विधानसभा प्रभारी ही चुनाव लड़ते आ रहे है, लेकिन इस बार पार्टी की तरफ से प्रभारी के स्थान पर दूसरे कार्यकर्ता को चुनाव मैदान में उतारा गया है। शिवबरन के चुनाव प्रचार में शामिल होने के बाद फूलपुर उपचुनाव में पार्टियों के बीच कांटे की टक्कर होने की संभावना बढ़ गई है। उधर चुनाव प्रचार में उतरने की घोषणा करने के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बढ़।

## महाकुंभ में लगेगा वैष्णव किन्नर अखाड़े का शिविर, 15 की जाए अखाड़ों की संख्या

प्रयागराज। वैष्णव किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी मां ने कहा कि समय की मांग को देखते हुए अखाड़ों की संख्या बढ़ाकर 15 की जानी जाहिए। इसमें किन्नर अखाड़ा और वैष्णव किन्नर अखाड़े को भी मान्यता मिलनी चाहिए। आदिशंकराचार्य ने सर्वप्रथम चार अखाड़ों का ही गठन किया था। बाद में जरूरत को देखते हुए इसकी सख्या आठ हुई, फिर 12 हुई और अब यह संख्या 13 तक पहुंच गई है। किन्नर अखाड़ों को मान्यता देते हुए अखाड़ों की संख्या अब 15 की जानी चाहिए। हिमांगी सखी मंगलवार को प्रेसक्लब में पत्रकारों से बातचीत कर रही

थीं। उन्होंने कहा कि इस बार महाकुंभ में अर्द्धनारीश्वर थाम का भी शिविर लगेगा। किन्नर लोगों की सेवा करती हुई नजर आएंगी। अखाड़े में चिकित्सालय की व्यवस्था होगी। महाकुंभ में सफाई अभियान चलाया जाएगा। अलग–अलग भाषाओं में कथा, सत्संग और भागवत कथा का वर्णन किया जाएगा। सनातन धर्म के भटके युवाओं की महाकुंभ में घर वापसी की जाएगी। हमारे जो युवा और बच्चे अपना धर्म छोड़कर ईसाई और इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिए हैं उनको फिर से सनातन धर्म से जोड़ा जाएगा। इसके लिए देश विदेश के बड़ी संख्या में युवाओं को निमंत्रण भेजा गया है। हिमांगी सखी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे। इसका अनुसरण करते हुए किन्नर अखाड़ा पूरी तरह से एकजुट है। किन्नर अखाड़े को लोग भले ही अलग–अलग अखाड़ा बनाकर रह रहे हों लेकिन हम सभी एकजुट हैं।

कोई भी ताकत हमें अलग नहीं कर सकती है और हमारे बीच दरार पैदा नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि वैष्णव किन्नर अखाड़े की पेशवाई (नगर प्रवेश) 30 नवंबर को होगी। कहा कि सृष्टि के आरंभ में भगवान ब्रह्मा ने सबसे पहले किन्नरों की उत्पत्ति की थी।

## चेतन गिरि ने जूना अखाड़े के प्रेम गिरि और हरि गिरि पर लगाया गंभीर आरोप, जारी किया वीडियो

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले अखाड़ों की कलह सतह पर आ गई है। नवगठित श्रीपंच दशनाम श्रीसंत गुरु दत्त अखाड़े के संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी चेतन गिरि ने सोमवार को वीडियो जारी कर पंच दशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक हर गिरिऔर अध्यक्ष प्रेम गिरि पर कई गंभीर आरोप लगाकर सनसनी मचा दी। चेतन गिरि ने जूना अखाड़े को दोनों शीर्ष पदाधिकारियों पर मठों–मंदिरों को हड़पने के लिए संतों को फंसाने और परेशान करने का आरोप लगाया है। स्वामी चेतन गिरि ने जूना अखाड़े के अध्यक्ष महंत प्रेम गिरि और महंत हरि गिरि को संत समाज के लिए कलंक बताया है। उनका कहना है कि जूना अखाड़े के इन दोनों पदाधिकारियों की नजर ऐसे मठों, अखाड़ों के संतों पर रहती है, जिनके यहां चढ़ावा आता है या जिनके पास संपदा है। ऐसे संतों को किसी न किसी बहाने षड्यंत्र का शिकार बनाकर उनका दोहन करना इनकी फितरत में है। चेतन गिरि ने इस आशय का वीडियो सोमवार को सोशलमीडिया प्लेटफार्म पर जारी किया। कानपुर के आनंदेश्वर धाम परमठ का पीठाधीश्वर मेरे गुरु ब्रह्मलीन संत पंचानन गिरि को बना दिया था। तब महंत पंचानन गिरि ने उस मंदिर की जिम्मेदारी मुझे सौंप दी थी। जब मैं वहां पहुंचा तब पता चला कि चढ़ावा महंत प्रेम गिरि और महंत हरि गिरि ले जाते थे। जब मैने इस पर हस्तक्षेप किया तो मुझे झूठे केस में फंसाकर जेल भिजवा दिया गया। 13 अखाड़ों से पृथक अखिल भारतीय श्रीनारायणी रामानुज अखाड़े ने महाकुंभ में एकादशी तिथि को राजसी स्नान करने का पत्र मेला प्रशासन को दिया है। दारागंज स्थित वेदांत देशिक सेवा संस्थान में वैष्णव आचार्य संतों ने महाकुंभ में राजशी स्नान का निर्णय लिया। अखिल भारतीय श्री रामानुज वैष्णव समिति के महामंत्री कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य ने बताया कि बीते 2019 के कुंभ में ही आचार्यबाड़ा की ओर से नरायणी रामानुज अखाड़े का गठन किया गया था। इस अखाड़े को एकादशी तिथि पर राजसी स्नान की अनुमति मेला प्रशासन की ओर से मिली थी। इस बार भी अखाड़ा उसी तिथि पर राजसी स्नान के लिए जाएगा।

### प्रयागराज में मारूती की ही बिक गई सवा सौ कारें:

## दूसरी कार कंपनियों के शोरूम में लगी ग्राहकों की कतार

प्रयागराज। प्रयागराज में धनतेरस पर आटोमोबाइल सेक्टर को पंख लग गए। सुबह दस बजे शो रूम खुलने के साथ ही कारों की डिलेवरी लेने वालों की होड़ लग गई। सिर्फ मारूती के दो शोरूम से ही सवा सौ कारों की डिलेवरी होनी है। इसको

देखते हुए शोरूम की तरफ से भी विशेष तैयारी की गई है। इसके अलावा हुंडई, टायोटा, हांडा, किया के शोरूम में भी वाहनों की डिलेवरी को लेकर लोगों की होड़ लगी है। चार पहिया वाहनों की धनतेरस पर डिलेवरी लेने के लिए लोगों ने तीन महीने पहले से ही बुकिंग करा रखी है। ऐसे में धनतेरस पर ही वाहनों की डिलेवरी के लिए शोरूम में कस्टमर्स की भीड़ लगने लगी। हर कोई पहले अपने पसंद की कार लेने के लिए जुटा रहा। वहीं किया, हुंडई, टाटा, हांड और टोयोटा शोरूम में ही वाहनों की डिलेवरी लेने वाले सुबह से ही शोरूम में पहुंचने लगे थे। दो पहिया वाहनों के शोरूम की बात करें तो हीरो, होंडा, टीवीएस, हारले डेविर्सन, रॉयल इनफील्ड समेत कई अन्य कंपनियों के शोरूम में भी वाहनों की जमकर खरीददारी होती रही।

## पिता पेंशनभोगी है, तब भी मां की मौत पर बेटी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पिता पेंशनभोगी है, तब भी सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत मां की मौत पर बेटी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार है। जिस्टस प्रकाश पाडिया की अदालत ने मुरादाबार की फरहा नसीम की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने बीएसए के आदेश को रद्द कर छह सप्ताह के भीतर नया पारित करने के लिए भी कहा है। सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत रहीं नसीम की मां शहाना बी की दो नवंबर 2023 को मौत हो गई थी। नसीम ने बीएसए के समक्ष अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। नसीम की बहनें सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, पिता सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में याची को कोई वित्तीय संकट नहीं है। इन्हीं दो बिंदुओं को आधार बना बीएसए के 12 जून 2024 के आदेश से अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन को खारिज कर दिया गया। इसके बाद याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। बहनों की नौकरी और पिता की पेंशन का दावा नियुक्ति रोकने का आधार नहीं याची के वकील कमल कुमार केशरवानी ने दलील दी कि बीएसए का आदेश अवैध है। याची की बहनों की शादी मां की मृत्यु से पहले हो चुकी है। बहनें कहीं काम कर रही हैं। इस वजह से याची की अनुकंपा नियुक्ति से इन्कार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता की अनुकंपा नियुक्ति का दावा जिन दो आधारों पर खारिज किया गया, वह कानून की नजर में टिकाऊ नहीं हैं।

# ‘गीत संग्रह ‘अनुगूँज’ का हुआ भव्य लोकार्पण’

## ‘साहित्य साधक मंच के 207वे कार्यक्रम में श्रोता हुए भावविभोरः’

’बेंगलुरु, (शहर समता समाचार)स बेंगलुरु की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच के तत्वावधान में 207 वें सारस्वत कार्यक्रम का आयोजन जे पी नगर स्थित लायंस क्लब के सभागार में आकाशवाणी के पूर्व निदेशक मिलनसार अहमद की अध्यक्षता,सुप्रसिद्ध गजलकार सुरिंदर कोहली सूरी के मुख्य आतिथ्य और गीत कवयित्री सुधा अहलूवालिया के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सुधा आहूलवालिया द्वारा विरचित गीत संग्रह श्अनुगूँजश का भव्य लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। इसके पूर्व राधेश्याम यादव सुदर्शन ने सुधा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दिया। ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने अपने उद्गार प्रकट करते हुए गीत संग्रह अनुगूँज पर लिखी अपनी भूमिका का एक अंश पढ़ कर सुनाया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें मिलनसार अहमद, सुरिंदर कोहली सूरी, सुधा अहलूवालिया,दीपक पांडे , मृदुला सिंह चौहान, राही राज , प्रीति राही, प्रभात रंजन,, डॉ पूनम सिन्हा,ज्ञानचंद मर्मज्ञ, प्रतीक्षा तिवारी, उर्मिला श्रीवास्तव, उषा गुप्ता, विनीता लवानिया, अरुणा राणा, प्रवल प्रताप सिंह राणा ष्प्रवलष्, राधेश्याम यादव सुदर्शन, अंजु भारती , पूनम बेलानी ,अकरमुल्ला बेग, पहाड़ सिंह ने अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रतीक्षा तिवारी और उर्मिला श्रीवास्तव को उनके मांगलिक अवसर पर मंच की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अरविन्द मोहन, उमेश गुप्ता, विट्ठल भाई पटेल, नारायण रावत, नैतिक रावत, शरद सिंह और मिठाई लाल विशेष रूप से उपस्थित थें। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया। अंत में सुधा अहलूवालिया ने सभी का आभार प्रकट किया, साहित्य साधक मंच के संस्थापक अध्यक्ष प्रसिद्ध गीतकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने बताया कि वे पिछले सत्रह वर्षों सिवस कार्यक्रम को अनवरत आयोजित करते हैं और इसमे स्थानीय कवियों के अलावा देश के विभिन्न भागों से आकर यहां पधारने वाले साहित्यकारो को भी आमंत्रित करते हैं।

## अचार्य सदाशिव पैरामेडिकल कॉलेज खरहर प्रतापगढ़ में मनाई गई धन्वंतरि जयंती

प्रतापगढ़। नवम आयुर्वेद दिवस एवं श्री धन्वंतरि समारोह के अवसर पर वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार विषयक संगोष्ठी सहित हवन पूजन कर आचार्य सदाशिव पैरामेडिकल कॉलेज खरहर प्रतापगढ़ में धनवंतरि दिवस मनाया गया सजिसमें अचार सदा शिव पैरामेडिकल कॉलेज संस्थान के शिक्षक कर्मचारी




व बच्चे आरोग्य भारती के पदाधिकारी उपस्थित रहे सहवन पूजन के पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य ,धनवंतरी जयंती की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई । संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ एस के शर्मा व सञ्चालन जिलाउपाध्यक्ष अमित शुक्ल ने किया मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष आरोग्य भारती काशी प्रान्त डॉ रंगनाथ शुक्ला की उपस्थिति रही सविशिष्ट अतिथि के रूप में धर्म प्रकाश पाण्डेय जी उपस्थित रहे साथ ही विद्यालय प्रबंधन शिक्षक गण श्री डॉ मृत्युंजय प्रसाद रत्नेश त्रिपाठी दिवाकर सरोज विजय पांडे राघवेंद्र पांडे अवनीश पाल देवी उपाध्यक्ष शेष उपाध्याय पूजा शुक्ला काजल मिश्रा और आशीष यादव मयंक भानू प्रताप मौर्य राजनाथ शुक्ला सोनम दुबे आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

# अंग्रेजी विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज स सीएमपी डीग्री कालेज में बीएएलएलबी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु अंग्रेजी विषय पर विशेष व्याख्यानआयोजित किया गया। मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ पल्लवी श्रीवास्तव रही। व्याख्यान का शुभारंभ बीएएलएलबी की समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह द्वारा किया गया। डॉ श्रीवास्तव नेअंग्रेजी पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की और अंग्रेजी विषय का कैसेअध्ययन किया जाए इस पर बच्चों का मार्ग दर्शन किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर हरिदर्शन त्रिपाठी ने दिया। इस अवसर पर बीएएलएलबी के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।



# उजालों का भी मौसम आ रहा है..



प्रयागराज। प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह की अभिप्रेरणा से संस्कृत विभाग के छात्रों ने रंगोली दीपोत्सव का कार्यक्रम मनाया। विवि में अवकाश के कारण दीपावली पर्व के पूर्व धनतेरस के दिन छात्रों ने संस्कृत विभाग में सर्वप्रथम रंगोली की चित्रकारी की। रंगों के अद्भुत प्रयोग से देवी देवताओं का चित्रण किया और उसके बाद दीपक जलाकर प्रकाश रुप ज्ञान प्राप्ति की कामना की। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि प्रकाश पर्व हमारी आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा है। कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्ञानात्मक प्रकाश मानवीय उत्कर्ष का प्रतीक है।संस्कृत–विभाग के सहायक आचार्य डॉ.प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि प्रकाश पर्व दीपावली हमारे जीवन में ज्ञानात्मक उल्लास को बढ़ाता है। संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने दीपावली के महत्व को इन पंक्तियों से व्यक्त किया – कोई दीपक बहुत इतरा रहा है, उजालों का भी मौसम आ रहा है। मगर जिनके दिलों में बस अंधेरा, उजालों से वही घबरा रहा है। घरों में आस का दीपक जला लो, अंधेरा खुद सिमटता जा रहा है। ‌अतिथि प्रवक्ता डॉ.प्रिया झा ने कहा कि हमारे हृदय में अज्ञान का अंधकार न रहे, बल्कि सुख समृद्धि का प्रकाश व्याप्त रहे। डॉ. देवकीनन्दन मिश्रा, डॉ.आनन्द त्रिपाठी, डॉ.राघवेन्द्र श्रीवास्तव ने भी बच्चों को संबोधित किया। शोधच्छात्र नितिन त्रिपाठी, अनन्त त्रिपाठी ,शिवानी पाण्डेय, रिषभ तिवारी, हंसमुख कुमारी, अंजली पाण्डेय, आयुषी यादव, पलक द्विवेदी, गोल्डी यादव, खुशबू सिंह, प्रोणीता धूरिया, विनीत द्विवेदी, खुशी गौतम, शशिकांत यादव आदि विभागीय छात्रों ने उत्साहपूर्वक दीपोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

## 31 अक्टूबर को ही मनायी जायेगी दीपावली : प्रयागराज के विद्वानों का निर्णय

### दीपावली लक्ष्मी पूजन निर्णय

प्रयागराज। आज दिनांक २६ अक्टूबर 2024 को प्रयागराज में दीपावली पर्व निर्णय के संबंध में मां कामाख्या ज्योतिष संस्थान प्रयागराज, अखिल भारतीय प्रयाग पंडित



सभा, सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय प्रयागराज श्री वेदांग संस्थान प्रयागराज, कृष्णा कम्प्यूटर संस्थान तथा श्री हनुमत् संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामबाग प्रयागराज के सौजन्य से विद्वत् गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. बाबूलाल मिश्र, डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल पं अवधनारायण द्विवेदी (घनश्याम जी), डा राममिलन मिश्र, पं श्याम शंकर शुक्ल, पं अनन्त मिश्र जी, श्री ब्रह्मानन्द मिश्र, पं चंद्रकांत शुक्ल, पं दीपू शुक्ला, पं चूड़ामणि मिश्र, पं मयंक मिश्र, पं. सूर्य नारायण पाण्डेय, पं. द्वारिका प्रसाद पांडेय, पं प्रशांत मिश्र तथा राजेन्द्रकुमार तिवारी ‘दुकान जी’ सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। सबकी सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिया गया –

इस वर्ष दीपावली को लेकर भ्रम की स्थिति लोगों में दिख रही है, सोशल मीडिया में कोई 31 अक्टूबर को और कोई 1 नवंबर को अपने–अपने अनुसार दीपावली पर्व का निर्णय दे रहे हैं । दीपोत्सव का पर्व सायंकाल से लेकर रात्रि पर्यंत होता है क्योंकि इसमें प्रदोष काल में लक्ष्मीपूजन तथा रात्रि काल में महाकाली का पूजन और तंत्र–मंत्र सिद्धि की जाती है जबकि प्रातः काल सरस्वती माता का पूजन होता है।

इस वर्ष 31 अक्टूबर बृहस्पतिवार को अमावस्या अपराह्ण 3रू16 से लग रही है जो कि प्रदोष काल तथा निशा मुख काल में और रात्रि काल में भी रहेगी जबकि एक नवंबर शुक्रवार को अमावस्या सायं काल 5रू17 तक रहेगी। 1नवंबर को सूर्यास्त 5रू36 पर हो रहा है अतः अमावस्या तिथि सूर्यास्त के समय नहीं प्राप्त हो रही है यद्यपि प्रदोष काल का मात्र स्पर्श कर रही है किन्तु सम्पूर्ण प्रदोषकाल व्यापिनी अमावस्या नहीं है अतः 1नवंबर को दीपावली पर्व निरस्त हो रहा है। धर्म सिंधु में कहा गया है कि पूर्वत्रैव प्रदोष व्याप्तौ लक्ष्मी पूजनादौ पूर्वा अभ्यंग स्नानादौ परा इति ग्राह्या अर्थात् दोनों दिन अमावस्या तिथि होने पर पूर्व दिन की अमावस्या में दीपावली प्रशस्त है तथा पर दिन की अमावस्या में स्नानादि करना पुण्यदाई है। इसी बात को निम्न लिखित धर्मसिंधु का वाक्य भी प्रमाणित करता है।

साथ ही 1962 ई में भी दीपावली की यही स्थिति बनी हुई थी उस समय भी पूर्व दिन में ही लक्ष्मी पूजन तथा दीपावली मनायी गयी थी।

एक सिद्ध सन्त का वाक्य है कि पर्व तथा व्रत पूर्व दिन में ही मना लेना चाहिए इस जीवन का क्या भरोसा कि कल रहें या नहीं इस वाक्य के अनुसार भी 31को दीपावली पर्व होगा।

कई पंचांगों तथा विद्वानों द्वारा भी 31अक्टूबर को ही दीपावली को प्रमाणित किया गया है।

इसके प्रमाण में धर्म सिंधु तथा निर्णय सिंधु के निम्न लिखित वाक्य प्रमाण हैं –

तथा च परदिने एव दिनद्वये वा प्रदोष व्याप्तौ परा ।

पूर्वत्रैव प्रदोष व्याप्तौ लक्ष्मी पूजादौ पूर्वा ।

अभ्यङ्गस्नानादौ परा।

निर्णय सिंधु में भी कहा गया है कि दिवोदासीये तु प्रदोषस्य कर्मकालत्वात् ष्अर्धरात्रेभ्रमत्वेव लक्ष्मीराश्रयितुं गृहान् अर्थात् प्रदोष काल तथा अर्धरात्रि तक जब अमावस्या होती है तब लक्ष्मी लोगों के घरों में भ्रमण करती है (जो उस समय उनका पूजन करता है उसपर लक्ष्मी जी की विशेष कृपा होती है।) इस वाक्य से भी ३१अक्टूबर बृहस्पतिवार को दीपावली मनाना शुभ है।

दीपावली पूजन मुहूर्त

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पूजन का समय–31अक्टूबर 2024 बृहस्पतिवार को अपराह्ण 3रू16 से 5रू10 बजे तक।

प्रदोषकाल में मां लक्ष्मी गणेश के पूजन का समय – सायंकाल 5रू10 से 5रू56 तक।

स्थिर लग्न (वृष) में पूजन का समय सायंकाल 6रू31 से 8रू27 तक ।

निशीथ काल में स्थिर लग्न में पूजन का समय

रात्रि 1रू00बजे से 3रू00बजे तक ।

विशेष– अमावस्या तिथि लगने के समय से लेकर सम्पूर्ण रात्रि पर्यंत किसी भी समय पूजन किया जा सकता है।

# बाराही धाम में प्रत्येक सोमवार को सई आरती प्रारंभ

प्रतापगढ़ । रानीगंज तहसील के प्रसिद्ध बाराही धाम मे सई नदी के किनारे मुख्य घाट पर प्रत्येक सोमवार को मां साई की भव्य आरती स्थानीय समाज द्वारा जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से प्रारंभ हो गई है। जो अब प्रत्येक सोमवार को आरती व साफ सफाई के साथ साथ पौधरोपण के कार्य को भी नियमित संपादित करेगी। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सुंदरम तिवारी के संयोजन में बाराही धाम के स्थानीय समाज को जोड़कर यह पुनीत कार्य शुरू किया गया है। गत 25 अक्टूबर को मनरेगा लोकपाल व प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के निरीक्षण व भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुंदरम व अन्य साथियों ने निर्णय लिया था। लोकपाल समाज शेखर ने सभी को बधाई देते हुए इस कार्य को निरंतर करते रहने का संदेश दिया। इस पुनीत कार्य में ग्राम प्रधान मुजीब खघन , शैलेश गिरी , बलराम गिरी , कुन्दन तिवारी , भोले तिवारी , राजन तिवारी एवं समस्त ग्रामवासी सहयोग प्रदान कर रहे।

# लोकपाल की जन सुनवाई में मुखर हुए जागरुक ग्रामीण

### मानधाता ब्लाक के सराय भीम सेन के प्राचीन कुंवे के संरक्षण की हुई मांग / जूडापुर में अनियमितता की शिकायत

## लक्ष्मणपुर ब्लाक के उमरपुर ग्राम की महिला मेट के पति ने प्रधान के असहयोग की शिकायत लोकपाल ने निस्तारण हेतु बीडीओ व डीसी को दिया निर्देश

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई मंगलवार को जारी रही जिसमे मानधाता ब्लाक के सराय भीम सेन के प्राचीन कुंवे के संरक्षण की मांग हुई। वहीं लक्ष्मणपुर के ग्राम पंचायत उमरपुर की महिला मेट के पति ने मेट की ओर से प्रधान के असहयोग की शिकायत की लोकपाल ने निस्तारण हेतु बीडीओ व डीसी को आवश्यक निर्देश दिया। डीसी मनरेगा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला मेट के साथ साक्ष्य सहित प्रस्तुत होकर अपनी बात रखने हेतु आमंत्रित किया। मांधाता ब्लाक के सराय भीम सेन ग्राम पंचायत के डॉ वीरेंद्र सिंह प्रबन्धक, राम नारायण सिंह चेरिटेबल सोसाइटी ने लोकपाल के समक्ष ग्राम सभा में स्थित प्राचीन विशाल कुंवे के संरक्षण हेतु आग्रह किया। जिस पर लोकपाल समाज शेखर ने खंड विकास अधिकारी व जिला भू गर्भ जल परिषद द्वारा संरक्षित कराने का निर्देश सम्बन्धित को जारी करने का निर्णय लिया। लक्ष्मणपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत उमरापुर के प्रमोद मिश्र ने लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर बताया की उनकी पत्नी रेनू मिश्रा ग्राम में आजीविका मिशन की सदस्य व महिला मेट है। प्रधान द्वारा असहयोग किये जाने की शिकायत की। जिस पर लोकपाल ने मामले को उपायुक्त मनरेगा को भेजा। उन्होंने तत्काल प्रमोद के आवेदन को प्राप्त कर उनकी शिकायत को सुना और अगले कार्यदिवस पर मेठ के साथ उपस्थित होकर अपनी समस्या का निवारण कराने को कहा। मांधाता ब्लाक के जूडापुर बछुआ ग्राम पंचायत के सूरज सिंह ने ग्राम में मनरेगा योजना की चालू वर्ष २०२४–२५ मे भारी अनियमितता की शिकायत की। जिस पर लोकपाल ने ग्राम के सचिव, प्रधान व रोजगार सेवक को संपूर्ण पत्रावली के साथ लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश जारी किया। लोकपाल की जनसुनवाई कार्य में स्टेनो असरफ व सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गेश तिवारी ने सहयोग किया।

# भारत के त्योहार

संबंधों का जाल बुन रहे ,भारत के त्योहार,
पुलकित मन–मंदिर को करते,सबके अब व्यवहार।

रोगमुक्त हो जीवन सबका,रचने नया विधान,
धरती पर नभ से हैं उतरे ,धन्वन्तरि भगवान,
वैद्य सभी ईश्वर कह उनको,करके नित्य प्रणाम,
मानव जीवन के रक्षक बन,उनके ही अनुसार,
रोगी का वह रोग हर रहे,बनकर पालनहार,
संबंधों का जाल बुन रहे––––––––।

लीला रचने प्रभु पधारे,कैसा है संयोग,
रूप कपि का स्वमं ही रखकर ,हरते मन का रोग।
राम राम बस राम राम का,करते दिनभर जाप,
नाम–सरोवर में ही बसता,इनका सब संसार,
दुख पर सुख अब भारी पड़ता,
नहीं किसी से खार,
संबंधों का जाल बुन रहे––––––––––––।

दीपों वाली रात सुहानी, आदर्शों का मेल,
बेटा अरु माँ साथ घूमते,अद्‌भुत है यह खेल,
माँ लक्ष्मी बन घर में आए,बेटा बने गणेश,
उदित हो रहा घर–घर में,खुशियों का त्योहार,
बच्चे बूढ़े अरु जवान के ,दिल में उमड़ा प्यार,
संबंधों का जाल बुन रहे–––––––––।

मगन हुए हैं वासी सारे,समझ कृष्ण की चाल,
वर्षा का अवरोध बनी जब, गोवर्धन की ढाल,
मथुरा में नव उत्सव उतरा,अन्नकूट धर नाम,
अंतस में था केवल जिसके,मधुर प्रेम संसार,
खुशियों के इस पावन पल में, सुन सुन्दर आधार,
संबंधों का जाल बुन रहे–––––––––––।

यमुना जी से माँग रही हैं,बहनें इक वरदान,
स्वस्थ रहें सब भाई मेरे,उनका रखिए ध्यान,
कलम दवात अरु चित्रगुप्त की,पूजा करके आज,
हाथ जोड़कर उनसे कहते,शिक्षित बने समाज,
संबंधों का जाल बुन रहे,भारत के त्योहार। ।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
**लूकरगंज, प्रयागराज**

# धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव पर्व दीपावली

## सभी हाउस ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाई

संदीपनघाट। वीबीपीएस काजीपुर कौशांबी के प्रांगण में आज दीपावली के अवकाश से पूर्व पच्चपर्व दीपावली का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें सभी कक्षाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में लिया। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने ष्दिया कंपटीशनष् में भाग लेकर शानदार दीपकों का निर्माण किया। वहीं कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने ष्लैंप कंपटीशनष् में प्रतिभाग किया और शानदार लैंप बनाए। इसी तरह कक्षा 9 से कक्षा 12 तक की सभी हाउस की छात्राओं ने शानदार रंगोलियों का निर्माण किया। ब्ल्यू हाउस में तुषा त्रिपाठी, तेजस्विनी, नैना शर्मा, सिदरा फातिमा, रेड हाउस में स्वच्छता सोनाक्षी केसरवानी उन्नति गुप्ता और खुशी केसरवानी, ग्रीन हाउस में तनु, रिक्तिका, रिया केसरवानी, शिवानी, और यलो हाउस में माही शर्मा खुशी पटेल स्नेहा त्रिपाठी और मानसी पटेल ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाई। जिसमें निर्णायक मंडल को निर्णय लेने में काफी बारीक चीजों को देखना पड़ा। वहीं हर्ष कुमार ने अलग रंगोली बनाई। इस तरह से यह हाउस कर विजयी घोषित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने बच्चों की एक से बढ़कर एक कला को सराहा। उन्होंने घर में सावधानीपूर्वक दीपावली पर्व को मनाने की सलाह व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा बच्चे अपने बड़ों के साथ मिलकर ही आतिशबाजी करें। इस अवसर पर उत्थान संस्था के सचिव डॉक्टर के के तिवारी, अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार और मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक तिवारी ने संयुक्त रूप से बच्चों की प्रतिभा के लिए उन्हें ढेर सारी बधाइयाँ एवं शुभकामना दी। वरिष्ठ शिक्षक राकेश मालवीय ने सभी बच्चों की प्रतिभा को ध्यानपूर्वक देखा और सराहा। इस आयोजन में सदफ शेख, श्वेता सिंह, मनीषा मैम, रिंकू नाग तथा पीटीआई नकुल तिवारी की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर आर पी ओझा, बलदाऊ पांडे, रविंद्र उपाध्याय सोमनाथ पांडे, रिकी, सुधा पांडे, अभिनंदन पांडे, अतुल पांडे सहित पूरा स्टाफ शामिल रहे।



# भोलानाथ कुशवाहा का एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश प्रकाशित

### उन्होंने आज के ज्वलंत मुद्दों को बड़ी बारीकी से उठाया है– रवि यादव रवि

### हमारे समय की विसंगतियों का आईना है श्लोकल वोकल’– श्री विलास सिंह

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा का एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश प्रकाशित हुआ है। यह उनकी 11 वीं प्रकाशित कृति है। इसे हिन्दी श्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया है। इसमें विविध ज्वलंत विषयों के 24 एकांकी शामिल हैं जिनमें आज के बदले व्यक्ति के साथ समाज, सत्ता, राजनीति और विश्व परिदृश्य पर संवादों के माध्यम से चर्चा की गयी है। एकांकी संग्रह पर अपनी शुभकामनाएँ देते हुए मुम्बई के अभिनेता व कवि रवि यादव रवि ने लिखा है– ष्उन्होंने आज के ज्वलंत मुद्दों को बड़ी बारीकी से उठाया है जो लोगों के लिए पठनीय है। वरिष्ठ साहित्यकार व परिंदे पत्रिका के संपादक श्री विलास सिंह ने अपनी भूमिका में लिखा है– ष्कुल मिलाकर यह एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश हमारे समय की विसंगतियोंका आईना है जो न केवल हमें सच्चाई दिखाता है बल्कि ठहर कर सोचने को मजबूर करता है।ष्

नगर के बाँकेलाल टंडन की गली, वासलीगंज निवासी 74 वर्षीय भोलानाथ कुशवाहा की अब तक लिखी गयी पुस्तकों में चार कविता संग्रह, एक नाटक, एक कहानी संग्रह, एक दोहा संग्रह, एक हाइकु संग्रह, एक नवगीत संग्रह, एक बालगीत संग्रह और एकांकी संग्रह हैं। वह अभी भी लगातार लेखन में सक्रिय हैं। उनके नाटक श्ईशाश को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ का श्मोहन राकेश सर्जना पुरस्कारश मिल चुका है। उनकी रचनाएँ हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के साथ आकाशवाणी इलाहाबाद, वाराणसी, बरेली, दिल्ली केंद्रों से एवं दूरदर्शन के इलाहाबाद व वाराणसी केंद्रों से प्रसारित हो चुकी हैं। श्री भोलानाथ कुशवाहा के एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश के प्रकाशित होने पर अनेक साहित्यकारों, कवियों एवं शायरों ने अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। बधाई देने वालों में सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय, प्रो स्नेहरानी सिंह, डॉ वंदना मिश्रा, प्रमोद कुमार सुमन, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी,डॉ रमाशंकर शुक्ल, केदारनाथ सविता, जफर मिर्जापुरी, आनन्द अमित, डॉ अनुराधा ओस, लालव्रत सिंह सुगम, हसन जौनपुरी, मुहिब मिर्जापुरी, नंदलाल सिंह, अनिल यादव, नन्दिनी वर्मा, डॉ सुधा सिंह, इला जायसवाल, सारिका चौरसिया, इम्तियाज अहमद गुमनाम, अमरनाथ सिंह, प्रमोद चंद्र गुप्त, पूजा यादव,खुर्शीद भारती, इरफान कुरैशी, आनन्द केसरी आदि हैं।

## सम्पादकीय.....

# धमकियों की उड़ान

यह सवाल हर भारतीय को परेशान कर रहा है कि भारतीय एयरलाइन्स के जहाजों को लेकर दी जा रही धमकियों की यह बाढ़ सी क्यों आ रही है? आखिर फ्लाइट्स को डिजिटली धमकी देने वालों तक हमारा खुफिया तंत्र क्यों नहीं पहुंच पा रहा है? बार–बार मिलने वाली फर्जी धमकियों से जहां इन विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं यात्रियों को उड़ान में देरी व सुरक्षा जांच के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनियों के आर्थिक नुकसान व यात्रियों पर मानसिक दबाव के मद्देनजर जो तत्परता सरकार की तरफ से दिखायी जानी चाहिए थी,वो नजर नहीं आ रही है। इस घटनाक्रम से आम यात्रियों में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। हालांकि, अधिकांश धमकियां फर्जी ही निकली हैं, लेकिन इन अपराधियों तक पहुंचना जरूरी है। चिंता यह भी कि यदि भविष्य में किसी आतंकी साजिश के प्रति कोई वास्तविक सचेतक सूचना भी आएगी तो संभव है, उसे गंभीरता से न लिया जाए। अतरू हर स्तर पर सावधानी बरती जानी जरूरी है। वहीं ऐसी हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस तरह लगातार मिल रही धमकियों की वजह से निरंतर फ्लाइट्स देर से उड़ान भर रही हैं, यात्री और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। विमानन कंपनियों को अपनी फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ रही हैं। ऊपरी तौर पर ऐसे घटनाक्रम का आर्थिक नुकसान विमानन कंपनियों को हो रहा है, लेकिन बाद में उसका असर आखिर यत्रियों की जेब पर ही पड़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर नुकसान देश का ही है। लेकिन सरकार की तरफ से ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि इससे निपटने के लिये कोई बड़ी व कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कमोबेश ऐसी ही स्थिति ट्रेनों के मार्ग पर लगातार अवरोधक लगाने की घटनाओं से भी सामने आई है। जिसके सामने तंत्र लाचार नजर आता है। सरकार को समझना चाहिए कि ऐसे अफरा–तफरी के माहौल से विमानन कंपनियों की सेवा व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों में अविश्वास पैदा होता है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक–चौबंद हो कि ऐसी फर्जी धमकियों पर विचलित होने के बजाय उड़ानों का संचालन सहज ढंग से हो सके। कहीं न कहीं हमारे तंत्र में आत्मविश्वास की कमी की वजह से भी ऐसी अफरा–तफरी मचती है। हमारा सुरक्षा तंत्र इतना लचर भी नहीं होना चाहिए कि एक फर्जी धमकी से हम भयभीत हो जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। देखना यह भी जरूरी है कि फर्जी धमकी देने वाले सुरक्षित कैसे बच रहे हैं। लगातार विस्तार पाती डिजिटल दुनिया में होने वाले साइबर अपराधों की तह तक पहुंचने वाला हमारा तंत्र कमजोर क्यों नजर आ रहा है। क्यों हम धमकी भेजने वाले के ई–मेल पते को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं। आधुनिक तकनीक से डिजिटल निगरानी को वक्त की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए।

# बहुत खास हैं खरगे के २ साल

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*संगठन ने पार्टी के सबसे वयोवृद्ध परन्तु किसी भी युवा नेता की बराबरी की सक्रियता के साथ पार्टी की कमान सम्हालने वाले खरगे के ये दो वर्ष अनेक मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं, जिस दौरान उनकी भूमिका उतनी ही रेखांकित किये जाने के योग्य है।*

सामान्यतः किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर आदि के कार्यकाल की वर्षगांठ को देखने के तो लोग आदी हैं परन्तु यदि किसी राजनीतिक संगठन का प्रमुख बनने के दो साल पूरा करने पर दल के कार्यकर्ताओं और जनसाधारण में खुशी हो तो मानकर चलना चाहिये इसके पीछे कोई खास वजह तो होगी ही, ऐसा व्यक्ति भी कुछ विशेष ही होना चाहिये। देश की सबसे पुरानी और स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूरा करने पर यदि सभी एक स्वर से मल्लिकार्जुन खरगे को बधाइयां दे रहे हैं तो वह सिर्फ सांगठनिक शिष्टाचार के बदौलत नहीं वरन यह इस दौरान उनकी निभाई भूमिका एवं नेतृत्व कौशल की सराहना के रूप में कहा जा रहा है। जिस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कतारबद्ध होकर खरगे को बधाइयां दीं, उस दल ने अपने 140 वर्षों के प्रदीर्घ इतिहास में अनेक महान अध्यक्षों को देखा है, और उनके नेतृत्व में न केवल देश को औपनिवेशिक गुलामी से आजाद कराया है बल्कि देश को फर्श से अर्श तक पहुंचाया है। अलग–अलग परिस्थितियों में कांग्रेस के विभिन्न अध्यक्षों ने पार्टी की सेवा की है। फिर भी पिछले कई वर्षों से ऐसा कोई वाकया याद नहीं पड़ता कि किसी का एक या दो साल पूरा होना यूं मनाया गया हो। संगठन ने पार्टी के सबसे वयोवृद्ध परन्तु किसी भी युवा नेता की बराबरी की सक्रियता के साथ पार्टी की कमान सम्हालने वाले खरगे के ये दो वर्ष अनेक मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं, जिस दौरान उनकी भूमिका उतनी ही रेखांकित किये जाने के योग्य है। पार्टी में आंतरिक चुनाव के जरिये शशि थरूर को हराकर खरगे 26 अक्टूबर 2022 को इस पद पर आसीन हुए थे। जब खरगे ने कांग्रेसाध्यक्ष का पद सम्हाला था, उसके करीब डेढ़ माह पहले राहुल गांधी अपनी ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा प्रारम्भ कर चुके थे। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकलकर 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में पहुंचकर समाप्त हुए इस पैदल मार्च का आयोजन करने वाले संगठन के कार्यकर्ताओं को ऐसा अध्यक्ष चाहिये था जो चाहे राहुल की तरह 3600 किलोमीटर पैदल न चले (जो सबके बस की बात भी नहीं है), परन्तु एक समानातंर ऊर्जा के साथ संगठन को नेतृत्व प्रदान कर सके। शशि थरूर की सवर्ण पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं अभिजात्य जीवन शैली के ठीक विपरीत एक बहुत ही कष्टप्रद सामाजिक व्यवस्था को पराजित कर पार्टी के शीर्ष नेताओं की कतार में बैठने के पीछे खरगे का छह दशकों से अधिक का समर्पण एवं कर्मठता थी। इस दौरान कांग्रेस के तमाम उतार–चढ़ावों में पार्टी नेतृत्व के साथ पूरी निष्ठा के साथ खड़े रहने वाले खरगे का जब निर्वाचन हुआ तो कई आश्चर्यचकित थे, तो कई निराश। अधिकतर यह भी मानकर चल रहे थे कि वे शायद ही लम्बे समय तक इस पद पर बने रहेंगे और देर–सबेर गांधी परिवार के ही किसी सदस्य (पहले के कुछ दृष्टांतों के अनुरूप) को इस पद को सम्हालने के लिये आगे बढ़ना पड़ेगा। यह वह वक्त था जब अपनी क्षमता तथा उपलब्ध शक्ति के अनुरूप पार्टी को चलाने के बाद स्वास्थ्यगत कारणों से सोनिया गांधी यह पद छोड़ने की इच्छा जता चुकी थी और दूसरी पसंद राहुल दोबारा अध्यक्ष पद सम्हालना नहीं चाहते थे। वे पहले यह पद 2019 में छोड़ चुके थे जब उनका दल लोकसभा में ऐतिहासिक गिरावट के साथ केवल 44 सीटें पाकर सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नियमित मखौल का पात्र बनकर रह गया था। अध्यक्ष पद के लिये गांधी परिवार की पसंद खरगे ही थे। उन्होंने कांग्रेस तथा देश को निराश नहीं किया। यही वह कालखंड था जब कांग्रेस बाहरी हमलों के अलावा भीतरघात से भी बेतरह जूझ रही थी। ऑपरेशन लोटस के तहत कांग्रेस के सैकड़ों नेता, विधायक, सांसद आदि पैसे की लालच में या जांच एजेंसियों के डर से भाजपा में समाते जा रहे थे। पार्टी के भीतर जी 23 जैसी कारगुजारियां हो रही थीं जो पार्टी की भीतरी दीवारों को कमजोर करती चली गयीं। ऐसा नहीं कि यह सिलसिला अब थम गया हो। इन तूफानी झटकों के बीच पार्टी रूपी जहाज के मस्तूल को खरगे ने मजबूती से थामे रखा। लोगों को अपने सिद्धातों के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा दी। उन्हें लड़ना सिखाया और कांग्रेस को नया कलेवर चढ़ाने में राहुल को किसी अभिभावक या अध्यक्ष से भी बढ़कर सहयोगी के रूप में मदद की। आज वे दल के तमाम तरह के भीतरी मतभेदों, अंतर्विरोधों एवं प्रतिस्पर्धाओं को खत्म कर उसे मजबूती देने का काम कर रहे हैं। राहुल का प्रभाव तो अपनी जगह पर है ही, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लगातार छीजती, बार–बार पराजित होती कांग्रेस को तेलंगाना, कर्नाटक, जम्मू–कश्मीर आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो जीतें हासिल हुई हैं उनमें खरगे का बड़ा हिस्सा है। 2019 के मुकाबले 18वीं लोकसभा में अपनी ताकत को दुगुना करने के लिये 80 के पार चल रहे खरगे ने स्वयं को जो झोंका वह सबको चकित करने के लिये काफी था। पार्टी के लिये धूप, ठंड व बरसातें झेलते खरगे अपने आप में उदाहरण बन गये हैं। राहुल ने पिछले दो वर्षों में मोदी की नीतियों के खिलाफ साहसिक विमर्श गढ़कर उसे चुनावी मद्दा बनाया जिसके कारण वे प्रतिपक्षी गठबन्धन के सर्वमान्य नेता बने, तो वहीं अपने संगठन को फिर से अपने पांवों पर खड़ाकर खरगे ने कांग्रेस को इस गठबन्धन का नेतृत्व करने का हकदार बनाया। सामाजिक न्याय, लोकतंत्र एवं संविधान को बहस के केन्द्र में लाने वाले कांग्रेस का प्रतिनिधि चेहरा खरगे हैं– सर्वमान्य एवं सम्मानित।

# अब मुकाबला सीधा: डराने वालों और डरो मत के बीच

**शकील अख्तर**

बटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों का उद्देश्य एक ही होता है दलित पिछड़ों आदिवासियों, कृषि निर्भर जातियों और सवर्णों में भी अन्य दूसरे तीसरे पायदान पर आने वाली जातियों को डराना कि उन्हें कोई खतम करने वाला है। नारा देने वाले के कहने का मतलब होता है देश में कोई कानून व्यवस्था नहीं है। न्याय नहीं है। शांति का माहौल नहीं है। दस साल केन्द्र के और सात साल उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों को हो गए मगर तुम निश्चिंत नहीं रह सकते, तुम्हें डरना चाहिए। दस साल पहले डर नहीं था। कोई कटने कटाने की बात नहीं करता था। लेकिन अब इनकी सरकार आ गई हो तो बंटना कटना जैसे हिंसक, भय पैदा करना वाले शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है। डर लोगों को नहीं है। डर इन्हें है कि लोग कहीं डरना नहीं छोड़ दें। इन्हें लगता है कि जनता अगर निर्भय हो गई तो अपने असली मुद्दों की बात करने लगेगी। अभी लोकसभा में बहुमत से दूर 240 पर सिमट जाने और यूपी में तो 80 में से केवल 33 पर रुक जाने के बाद भाजपा में खलबली मच गई। ऐसा नहीं है कि इस लोकसभा चुनाव में हिन्दू मुसलमान कुछ कम करा हो। बल्कि पिछले चुनावों से आगे बढ़कर किया। भैंस छीन लेंगे, मंगल सूत्र छीन लेंगे जैसा डर पैदा करने की कोशिश की गई। यूपी में बुलडोजर के सहारे लड़ा गया। अजान, नमाज, टोपी, तहमद जैसे मुद्दे उठाए। लेकिन नतीजा क्या हुआ? केन्द्र में जहां चार सौ पार के दावे कर रहे थे। वहां बहुमत के लिए भी कई पार्टियों का समर्थन लेना पड़ा। यूपी में तो सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीत लीं। और बीजेपी केवल 33 पर रह गई। जनता नफरत और विभाजन फैलाने के उद्देश्य को समझ गई। महंगाई बढ़ाई जाएगी, नौकरी नहीं दी जाएगी, सरकारी अस्पतालों को खत्म कर दिया जाएगा, सरकारी स्कूलों को भी। पांच किलो मुफ्त अनाज को बड़ा अहसान बताया जाएगा। गरीब को केवल उसी पर निर्भर कर दिया जाएगा। कोई काम धंधा नहीं, नौकरी रोजगार नहीं, उसके बच्चों का स्कूल, कापी पेंसिल, खुद उसकी, उसके बुजुर्ग मां बाप की दवा, इलाज का कोई इंतजाम नहीं। केवल पांच किलो अनाज लो और नफरती विभाजनकारी भाषणों को सुनकर बंटने कटने के काल्पनिक भय में जियो।प्रभाव कहीं नहीं हो रहा है। लोकसभा के बाद हरियाणा में सरकार जरूर बना ली मगर वोट 11 परसेंट कांग्रेस का बढ़ा। बंटने कटने की बात करने के बावजूद भाजपा का वोट केवल 3 परसेंट बढ़ा। जीत भाजपा को अपने डर पैदा करने वाले अजेंडे की वजह से नहीं मिली बल्कि कांग्रेस के गुटबाज नेताओं द्वारा खुद ही माहौल खराब करने, मैं बनूंगा मुख्यमंत्री, की मूर्खतापूर्ण बहस और ईवीएम की वजह से मिली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग में दस्तावेजों के आधार पर शिकायत दर्ज करवाई है कि 20 सीटों पर ईवीएम में गड़बड़ियां थीं। कांग्रेस के इस आरोप का जवाब चुनाव आयोग या उसकी तरफ से अभी तक जो भाजपा और मीडिया देते थे वे भी नहीं दे पाए हैं कि जिन मशीनों में वोटिंग हुई है वे 99 प्रतिशत तक चार्ज कैसे मिलीं? कोई भी मशीन अगर काम करती है। या रखी भी रहती है तो इसकी बैटरी कम होती जाती है। यहां 5 अक्टूबर को मतदान हुआ और 8 अक्टूबर को गिनती। तीन दिन बाद मशीन 99 प्रतिशत तक चार्ज! इसका क्या जवाब हो सकता है? इसीलिए मीडिया और भाजपा ने दिया नहीं और चुनाव आयोग को देना नहीं है। तो यह अलग मुद्दा है हरियाणा में बीजेपी की जीत का, मगर यहां यह जीत अब नफरत फैलाने से नहीं मिल रही है। तो क्या करें? जनहितकारी काम तो कुछ कर नहीं सकते। क्योंकि पूरी सोच जनविरोधी है। जनता को डरा कर नफरत के नशे में रखो। वह जनता नहीं प्रजा है। उसका काम है निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करना। शासक जिस हाल में रखे उसमें रहना और उसका शुक्रगुजार रहना क्यों कि यही प्रजा का काम है। याद नहीं? कोविड में क्या कहा था। ताली थाली बजवाई। दवा, आक्सिजन सिलेंडर, अस्पताल में बेड मरने के बाद श्मशान तक कुछ नहीं दिया, लोगों ने पुलों पर से शव फेंके, नदी में बहाए, रेत में दबा दिए। और संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा क्या, जो मरे वे मोक्ष को प्राप्त हो गए। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से इनकार कर दिया। कहा सिस्टम की गलती! सिस्टम क्या। एक अमूर्त चीज। कुछ भी मान लो। लेकिन कोरोना वैक्सिन सर्टिफिकेट पर अपना फोटो छपवाना नहीं भूले। मोदी जी के फोटो सबके घरों में पहुंच गए। एक एक आदमी के पास दो या तीन सर्टिफिकेट। मतलब उतने ही फोटो। लेकिन अब हार्ट अटैक से मौतें हो रही हैं। युवा किशोर खड़े खड़े गिर कर मर रहे हैं। डाक्टर वैक्सिन को दोषी बता रहे हैं। मगर कोई जांच शोध नहीं। वैक्सिन बनाने वाली कंपनियों ने बेहिसाब पैसा बना लिया। लंदन में सबसे महंगी प्रापर्टी खरीद ली। यहां इलेक्टोरल बांड के जरिए बीजेपी को खूब पैसा दे दिया। आज कोई वैक्सिन कंपनियों से सवाल करने वाला नहीं है। प्रजा पर ऐसे प्रयोग होते रहते हैं। पहले दवा वैक्सिन के प्रयोग जानवरों पर होते थे। क्यों जनता होती थी उसे इंसान माना जाता था। नेता तो जनता जनार्दन यानि भगवान भी कहते थे मगर अब उसका वह दर्जा खत्म हो गया। उसका काम अब केवल डरना और डराने वालों को वोट देना रह गया है। मगर ऐसा होगा क्या? मानव जाति का इतिहास तो बताता है कि इंसान ने हमेशा डर पर जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने नारा ही यह दिया है– डरो मत! मतलब अब सीधे सीधे देश दो स्पष्ट मुद्दों पर आ गया है। एक तरफ राहुल गांधी हैं जो जनता को निर्भय बनाने कि लिए लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा और संघ है जो डराने की कोशिश कर रहा है। कह रहा है कटोगे। खुद की सरकार। दोनों जगह केन्द्र और राज्य में। और कटने की बात कर रहा है। एक तरफ यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है। दूसरी तरफ जनता की परीक्षा। क्या वह इतनी बेवकूफ है कि कोई कहेगा और वह मान जाएगी? सोचेगी नहीं? कौन काटने आ रहा ? और क्यों? और क्या इनके शासन में बिल्कुल जंगल राज आ गया है कि देश के बहुसंख्यक लोगों को कोई काट जाएगा ? मार जाएगा? नहीं जनता सब समझती है। अगर भाजपा का डर दिखाना कामयाब होता तो लोकसभा में वह चार सौ पार जाती। हरियाणा में 11 परसेन्ट कांग्रेस का वोट नहीं उसका बढ़ता।जम्मू कश्मीर में इस बार उसकी मुराद पुरी हो जाती। वह 29 सीटें नहीं कम से कम जम्मू संभाग की तो पूरी 43 जीतती। परिसीमन करवा कर उसने जम्मू में सीटें इसीलिए बढ़वाई थीं। पहले जम्मू में केवल 37 सीटें थीं। उसमें 6 बढ़वा लीं। उसका गणित सीधा था। इसी विभाजन की राजनीति के भरोसे वह जम्मू की अधिकांश सीटें जीतना चाहती थी। 6 उसने पहली बार मनोनीत सदस्य की व्यवस्था कर ली थी। 90 की विधानसभा में जीत का पूरा हिसाब किताब। मगर जैसा हमने कहा कि क्या जनता इतनी बेवकूफ है? नहीं। उसने जम्मू में भाजपा को रोक दिया। जबकि वह सबसे बड़ा इशु लेकर गई थी। 370 हटा दिया। लेकिन जनता समझदार है। अपना हित अनहित पहचानती है। तो लोकसभा और उसके बाद जम्मू कश्मीर हरियाणा कहीं भी नफरत और विभाजन के मुद्दे नहीं चले। अब महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हैं। भाजपा उसी नफरत को बटेंगे तो कटेंगे के जरिए और तेज करने की कोशिश कर रही है। खतरनाक स्थिति है। देश की सत्ताधारी पार्टी केवल नफरत के भरोसे। लेकिन जनता हमेशा सिद्ध करती है कि उसमें एक सहज बोध है। कामन सेंस। शिक्षित हो या अशिक्षित वह झूठ और सच में फर्क पहचानती है। डराने वालों और डर से बचाने वालों में फर्क करती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

# अखिलेश यादव की चमक 2024 के लोकसभा चुनाव से भी ज्यादा

**डॉ. ज्ञान पाठक**

उत्तर प्रदेश में सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के लिए एनडीए और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों की घोषणा के साथ, अब चुनावी रणभूमि में मुख्य प्रतियोगियों को देखा जा सकता है, और उनकी संबंधित ताकत और कमजोरियों का आकलन भी किया जा सकता है, जिसकी सफलता या विफलता योगी आदित्यनाथ के भाग्य का फैसला कर सकती है – उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में, और साथ ही भाजपा के भावी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में भी। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को मिली अपमानजनक हार के बाद, योगी आदित्यनाथ को प्रदेश भाजपा के कुछ प्रमुख नेताओं से विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है, जो विफलता के लिए उन्हें बलि का बकरा बनाने की मांग कर रहे थे। हालांकि, योगी आदित्यनाथ ने उन पर अपना प्रभुत्व साबित कर दिया, जिन्हें अप्रत्यक्ष रूप से कुछ केंद्रीय भाजपा नेताओं का समर्थन प्राप्त था। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तब कहा था कि उपचुनाव खत्म होने तक श्कोई बदलावश नहीं किया जायेगा। उन्होंने वास्तव में केंद्रीय भाजपा की मंशा को ही उजागर दिया था कि अगर योगी आदित्यनाथ को उम्मीदवारों का चयन करने और अपने तरीके से प्रचार करने की खुली छूट दी जाये तो यह स्पष्ट होगा कि वे उपचुनावों में क्या कर सकते हैं और तब उनकी ताकत का अंदाजा लग जायेगा। यह भी याद रखने लायक है कि योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की हार के लिए श्पार्टी नेताओं के अति आत्मविश्वासश और अलोकप्रिय उम्मीदवारों को बार–बार खड़ा करने को जिम्मेदार ठहराया था। पहला आरोप राज्य भाजपा में उनके विरोधी समूह पर लक्षित था, और दूसरा आरोप केंद्रीय भाजपा नेतृत्व पर लक्षित था। अब उपचुनाव आ गये हैं, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव प्रचार के प्रबंधन और पार्टी टिकट देने में पूरी छूट दे दी गयी है। इसलिए 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव का परिणाम योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक भाग्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। भाजपा 9 में से 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को दी गयी है। कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर (एससी) से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर से दीपक पटेल, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और सीसामऊ से सुरेश अवस्थी को टिकट दिया गया है। इनमें से फूलपुर, गाजियाबाद और खैर पर भाजपा ने 2022 के चुनाव में जीत दर्ज की थी, जबकि मझवां पर एनडीए की सहयोगी निषाद पार्टी ने जीत दर्ज की थी। चूंकि भाजपा इन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, इसलिए पार्टी इन सीटों को बरकरार रखने के लिए समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की कड़ी टक्कर का सामना कर रही है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव से ही उभरते सितारे हैं, इन सीटों पर भी उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी ऊंचा दिख रहा है, जो इन सीटों को भाजपा से छीनने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। एनडीए में भाजपा की सहयोगी रालोद की बात करें तो उसने मीरापुर से मिथिलेश पाल को मैदान में उतारा है। 2022 के विधानसभा आम चुनाव में भी रालोद ने इस विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। यह सीट मौजूदा विधायक चंदन चौहान के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद खाली हुई थी। मीरापुर ही नहीं, बल्कि 13 नवंबर को जिन 8 विधानसभाओं में उपचुनाव होने हैं, वहां मौजूदा विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने और सीट खाली होने के कारण उपचुनाव जरूरी हो गये हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को आपराधिक मामले में दोषी ठहराये जाने तथा अयोग्य घोषित किये जाने के कारण सीसामऊ सीट पर उपचुनाव जरूरी हो गया है। भारत के निर्वाचन आयोग ने अदालती मुकदमे के कारण मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव की घोषणा नहीं की। विपक्षी समाजवादी पार्टी ने सभी 9 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ रही है। इंडिया ब्लॉक के प्रमुख घटक के रूप में कांग्रेस सिर्फ समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है। इसलिए, यह स्पष्ट है कि कोई भी नुकसान या लाभ समाजवादी पार्टी और उसके सुप्रीमो अखिलेश यादव का सीधा नुकसान या लाभ होगा। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं – करहल से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, कटेहरी से शोभावती वर्मा, मझवां से ज्योति बिंद, मेरापुर से सुम्बुल राणा, गाजियाबाद से सिंह राज जाटव, खैर से चारूकैन और कुंदरकी से मोहम्मद रिजवान। उपचुनाव वाली 9 सीटों में से चार – सीसामऊ, कटेहर, करहल और कुंदरकी – 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने जीती थीं। इसलिए, इन चार सीटों को बरकरार रखना समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, एनडीए सहयोगियों के पास मौजूद अन्य 5 सीटों में से कोई भी जीतना समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के और उभार का संकेत होगा। इसके विपरीत, भाजपा को न केवल 2022 में जीती गयी अपनी 3 सीटों को बरकरार रखना है, बल्कि उसे अपनी सहयोगी निषाद पार्टी द्वारा जीती गयी सीट को भी बरकरार रखना है, जिस पर अब भाजपा चुनाव लड़ रही है। इन सीटों पर किसी भी तरह की हार उत्तर प्रदेश में भाजपा की राजनीतिक यात्रा को और नीचे ले जाने का संकेत होगी। भाजपा को न केवल इन सीटों पर जीत हासिल करनी है, बल्कि समाजवादी पार्टी की चार मौजूदा सीटों को भी छीनना है, ताकि यह साबित हो सके कि भाजपा ने अपनी खोई जमीन वापस पा ली है। हालांकि, भाजपा के लिए समस्या यह है कि भाजपा के भीतर योगी आदित्यनाथ के विरोधी अभी भी सक्रिय हैं, क्योंकि वे इन उपचुनावों को उत्तर प्रदेश और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में योगी की राजनीतिक हैसियत को कम करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अगर योगी चार सीटों को बरकरार रखने में सफल हो जाते हैं और आरएलडी को एकमात्र सीट जीतने में मदद करते हैं, तो वह भाजपा में एक अप्रतिरोध्य ताकत के रूप में फिर से उभरेंगे और भविष्य के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी के प्रभाव के लिए खतरा बन जायेंगे।

# दीपावली से पहले अभिनेत्री सोनम कपूर ने शेयर किया नया अवतार

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर अपने फैशन सेंस के लिए काफी मशहूर हैं। उन्होंने दीपावली से पहले कुछ फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की। इन फोटो में सोनम का आकर्षक अंदाज देख फैंस ने खूब तारीफ की। सोनम भले ही फिल्मों से दूर हैं लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्होंने कुछ लेटेस्ट फोटो शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया। सोनम ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह लाल मिट्टी से बने बॉडी ऑर्नामेंट के साथ खादी लहंगा और दुपट्टा पहना हुआ है। ग्रीन ज्वेलरी में उनका लुक फैंस को काफी अच्छा लगा है। फोटो शेयर करते हुए सोनम ने कैप्शन में लिखा, ये पहनावा एक पोशाक से कहीं अधिक है। ये आंतरिक देवी और देव के पुनरुद्धार, आधार और उत्सव पर एक कहानी है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी स्टाइलिंग उनकी बहन रिया कपूर और उनकी टीम ने की है। उन्होंने फोटो कैप्शन में अपनी बहन को भी टैग किया। सोनम ने लिखा, इस दीपावली पर अपनी जड़ों और परंपराओं से इस काव्यात्मक जुड़ाव को अपनाने के लिए आभारी हूं। सोनम की स्टाइलिश तस्वीरों के साथ उनकी बहन रिया ने लिखा, ष्मुझे अपनी बहन पर बहुत गर्व है। फैशन के प्रति उनके प्यार इस उद्योग में काम करने वाले लोगों के प्रति उनका जुनून और इसके हर पहलू के प्रति सम्मान के साथ भारतीय फैशन को वैश्विक बनाने में उनका योगदान है। फैशन को मजेदार और खुद को अभिव्यक्त करने का एक साधन माना जाता है, जबकि दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और मुंबई से पेरिस तक मेरी बहन जितना साहसी जीवन जीने का जज्बा किसी और में नहीं है।

> सोनम ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह लाल मिट्टी से बने बॉडी ऑनमिंट के साथ खादी लहंगा और दुपट्टा पहना हुआ है। ग्रीन ज्वेलरी में उनका लुक फैंस को काफी अच्छा लगा है। फोटो शेयर करते हुए सोनम ने कैप्शन में लिखा, ये पहनावा एक पोशाक से कहीं अधिक है। ये आंतरिक देवी और देव के पुनरुद्धार, आधार और उत्सव पर एक कहानी है।

## हेवी प्रेग्नेंट होने के बाद भी श्रद्धा आर्या ने पार्टी से नहीं किया परहेज, खूबसूरत हसीना बन दीवाली बैश में पति संग मारी एंट्री

बी–टाउन में इन दिनों दीवाली पार्टीज का धमाल हैं। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की ग्रैंड एंड ग्लैमरस दीवाली पार्टी के बाद टीवी की महारानी यानि एकता कपूर ने दीवाली बैश रखा। इस पार्टी में उन्होंने टीवी और बॉलीवुड स्टार्स को बुलाया था, जिसमें टीवी सीरियल श्कुंडली भाग्यश की प्रीता यानि श्रद्धा आर्या का नाम भी शामिल है। प्रेग्नेंट श्रद्धा आर्या पति राहुल नागल संग इस पार्टी में पहुंची। भले ही प्रेग्रेंसी के चलते श्रद्धा की पब्लिक अपीयरेंस कम हो गई है लेकिन वह जब भी पैपराजी के सामने आती है, तो वह न केवल एकदम से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लग जाती हैं बल्कि उनके आगे इस्टैब्लिश्ड बेब्स भी फीकी पड़ती दिखती हैं। एकता कपूर की पार्टी में हेवली प्रेग्नेंट श्रद्धा ने जैसे ही अपने पति राहुल नागल संग एंट्री की तो चमकते कैमरे उनकी खूबसूरती को कैप्च्चर करने लग गए। मां बनने जा रहीं श्रद्धा आर्या ने पार्टी के लिए अपनी चॉइस बहुत ही क्लासी एंड वर्सटाइल रखी थी। उन्होंने अपने लिए खूबसूरत साड़ी चुनी थी, जोकि येलो कलर की थी। ग्लैमर और ट्रेडिशनल से भरे इस ऑउटफिट के साथ श्रद्धा ने मैचिंग का ब्लाउज पहना था। अदाकारा ने कान गोल्ड की इयरिंग्स और गले में चोकर नेकलेस पहना था। मांग में सिंदूर, लाइट मेकअप, न्यूड लिप शेड–ड्यूई फाउंडेशन उनकी खूबसूरती को चार–चांद लगा रहा था। कहना गलत नहीं होगा कि मां बनने वाली एक्ट्रेस का फेस ग्लो भी एकदम टॉप पर था जो उनकी ब्यूटी को दोगुना बढ़ाता दिखा।

# काजोल के सामने कपिल शर्मा ने अजय देवगन से ली चुटकी

स्टार स्टैंडअप कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अभिनेता अजय देवगन की चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि अजय देवगन ने इतनी बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है कि अब जुहू थाने में उनके लिए एक कुर्सी खाली रखी जाती है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के लेटेस्ट एपिसोड में अभिनेत्री काजोल और कृति सेनन अपनी फिल्म दो पत्ती का प्रमोशन करने पहुंचीं। काजोल अपने तीन दशक के करियर में पहली बार पुलिस की वर्दी में नजर आएंगी। कपिल ने कहा कि 1992 में बेखुदी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली काजोल पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं जबकि अजय ने कई बार यह भूमिका निभाई है। अभिनेत्री कृति सेनन ने दो पत्ती के साथ निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत की है। उन्होंने कहा, मैं भी हैरान थी। मैं सोच रही थी कि यह कैसे संभव है कि आपने पहले कभी पुलिस वाले की भूमिका नहीं निभाई। खासकर जब सिंघम आपके घर पर ही हों। फिर कपिल ने कहा, काजोल ने पहली बार भूमिका निभाई और अजय सर ने अनगिनत बार भूमिका निभाई है कि जुहू थाने में उनके लिए एक कुर्सी खाली रखी जाती है। वह कभी भी उस पर बैठ सकते हैं। क्या आपने अजय सर से अता माझी सटकली जैसे किसी डायलॉग के बारे में नहीं पूछा? इस सवाल पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए काजोल ने कहा, मैंने उनसे बिल्कुल भी सलाह नहीं ली क्योंकि सिंघम के लिए मैंने ही उन्हें ट्रेनिंग दी थी। आप कैसे भूल सकते हैं कि मैंने उन्हें मराठी सिखाई थी।फिल्म दो पत्ती में शहीर शेख भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेत्री एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित श्दो पत्ती 25 अक्टूबर को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। हाल ही में, टीवी की मशहूर अदाकारा एकता कपूर ने दो पत्ती की टीम को अपनी ष्शुभकामनाएंश दीं। उन्होंने कृति को उनके पहले प्रोडक्शन वेंचर और शहीर को फिल्मों में उनके बड़े ब्रेक के लिए विशेष रूप से बधाई दी। एकता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कृति, शहीर और लेखिका कनिका ढिल्लन नजर आ रही हैं। वीडियो में बैकग्राउंड में फिल्म का गाना रांझण बज रहा है।

## झूमे जो पठान...सासू मां का हाथ थाम दिल खोलकर नाचे शाहरुख खान, बेटे आर्यन के इवेंट में मचाया धमाल

बॉलीवुड के किंग खान यानि शाहरुख खान फैमिली मैन हैं। उन्हें अक्सर अपनी फैमिली के साथ हैप्पी टाइम बिताते देखा गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर ैत्ज्ञ का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है।ये वीडियो दुबई का बताया जा रहा है, जो एक इवेंट के दौरान का है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान की मां सविता छिब्बर के साथ मस्ती और डांस करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान शाहरुख ने अपनी सासू मां को स्टेज पर बुलाया और उनके साथ डांस किया। वीडियो में एक्टर की सासु मां सविता शरमाती हुई नजर आ रही हैं। इस दौरान शाहरुख खान और उनकी सास भारी सुरक्षा के बीच घिरे हुए नजर आएशाहरुख अपने बेटे आर्यन खान के ब्रांड इवेंट के सिलसिले में दुबई पहुंचे। पार्टी का आयोजन डायवोला द्वारा किया गया था। इस खास मौके पर उनकी पत्नी गौरी खान वहीं मौजूद नहीं थीं। इसके अलावा भी इस इवेंट के काफी सारे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जिनमें वो अपने फैंस के साथ बात करते हुए अपना सिग्नेचर पोज देते नजर आ रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का क्लंअवस ग एक लग्जरी ब्रांड है शाहरुख खान अक्सर अपने बेटे के इस ब्रांड का प्रमोशन करते रहते हैं। उन्होंने पिछले साल एक एड भी किया था। वह अक्सर अपनी आउटिंग के दौरान ब्रांड हाउस के आउटफिट भी पहनते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख पिछले साल पठान और जवान जैसी सुपर ब्लॉकबस्टर फिल्मों में नजर आए थे। एक्टर अब किंग में नजर आएंगे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में इस खबर की पुष्टि की थी। फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखेंगे।

# जेठालाल, वजन ओछु कर्यु छे..., एक्टर दिलीप जोशी ने मोदी से जुड़ा पुराना किस्सा किया शेयर

जेठालाल, वजन ओछु कर्यु छे..., एक्टर दिलीप जोशी ने पीएम मोदी से जुड़ा पुराना किस्सा किया शेयर

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम एक्टर दिलीप जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक पुराना दिलचस्प किस्सा शेयर किया है। दिलीप जोशी ने बताया कि नरेंद्र मोदी से मेरी मुलाकात 2008 में एक किताब विमोचन के दौरान हुई थी। इसके दो साल बाद जब वह मुझे मिले तो भूले नहीं और मुझसे कहा कि आप में कुछ बदलाव आया। वीडियो मोदी स्टोरी नाम के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया है। इसमें दिलीप जोशी ने उस वक्त गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी से अपनी मुलाकात से जुड़ा अनुभव बताया है। इस वीडियो में दिलीप जोशी ने बताया, 2008 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो शुरू हुआ था, यह टीवी सीरियल सुपरहिट हुआ। श्तारक मेहता का उल्टा चश्मा जिनके ऊपर यह सीरियल बना है, उन्होंने एक किताब लिखी थी। जिसका विमोचन अहमदाबाद में हुआ था। इस कार्यक्रम में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होने वाले थे।

## जेठालाल, वजन ओछु कर्यु छे..., एक्टर दिलीप जोशी ने पीएम मोदी से जुड़ा पुराना किस्सा किया शेयर

दिलीप ने आगे बताया कि तारक मेहता जैसे एक 40 मिनट का नाटक बनाया था। जिस पर हम लोग एक लाइव परफॉर्म करने वाले थे। नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में कुछ मिनट के लिए ही शामिल होने वाले थे। इस दौरान नरेंद्र मोदी खुद सबके पास गए और एक–एक करके सबसे मिले। एक्टर ने बताया कि 2011 में दो साल बाद फिर नरेंद्र मोदी से अहमदाबाद में मुलाकात हुई। जब वह सद्भावना मिशन कर रहे थे। उसी दौरान हम मंच पर बारी–बारी से तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी से मिल रहे थे। उन दिनों मैंने अपना वजन थोड़ा सा कम किया था। जैसे ही मैं स्टेज पर उनसे मिलने गया, उन्होंने मुझे देखकर कहा, श्जेठालाल,वजन ओछु कर्यु छे...ष।दिलीप जोशी ने बताया कि मैं उस वक्त यह सुनकर हैरान रह गया कि नरेंद्र मोदी रोजाना लाखों लोगों को मिलते होंगे। लेकिन, ये याद रखना कि दो साल पहले उन्होंने मुझे देखा था और दो साल बाद मैं उनसे मिला। उन्हें ये याद था कि मुझमें कुछ बदलाव आया है। यह काफी हैरान करता है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा टीवी के सबसे चर्चित शो में से एक है, पिछले 16 सालों से दर्शकों का यह पसंदीदा प्रोग्राम बना हुआ है। कुछ सालों में शो के कई एक्टर ने अलविदा तक कह दिया है। जेठालाल यानी दिलीप जोशी इस शो में अपने 16 साल भी पूरे किए हैं। वह इस शो की शुरुआत से लेकर अब तक जुड़े हुए हैं।

## घर की इन चीजों की जगह बदलने से दूर होगा वास्तु दोष, घर आएगी सुख-समृद्धि

घर में वास्तु दोष होने पर कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। वास्तु दोष होने पर शुभ कार्यों में बाधा, तरक्की का रुक जाना, पारिवारिक क्लेश, दांपत्य जीवन में दरार, घर में बीमारी का जन्म लेना, मानसिक तनाव आदि होने लगता है। ऐसे में यह जरूरी होता है कि घर के वास्तु दोष को जल्दी से जल्दी ठीक किया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप बिना पैसे खर्च किए वास्तु दोष को खत्म कर सकते हैं। आपको बस अपने घर में मौजूद कुछ चीजों की जगह बदल देनी है। इससे आपके घर का वास्तु दोष खुद ही दूर हो जाएगा।

घर के मंदिर का स्थान

यदि घर का मंदिर गलत दिशा में है, तो सबसे अधिक वास्तु दोष इसी वजह से पैदा होता है। इसलिए आपको घर का मंदिर सही दिशा यानी की पूर्व, उत्तर या उत्तर–पूर्व दिशा में रखें। वहीं अगर पहले से मंदिर सही दिशा में रखा है, तो उसको हल्का सा हिला दें और मंदिर में बांसुरी जरूर रखें।

बेड का स्थान

वैवाहिक जीवन की खुशहाली के लिए उत्तर, पश्चिम या फिर उत्तर–पश्चिम दिशा में बेडरूम का बेड रखना चाहिए। वहीं बेडरूम के अलावा घर में कोई और भी बेड है, तो उसको दक्षिण दिशा में रखें। वहीं अगर बेड पहले से ही सही दिशा में रखे हैं, तो बेड में लाल कपड़े में कलावे बांधकर हल्दी की गांठ छिपाकर रखें।

शीशे का स्थान

घर के पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार पर शीशा लगाना शुभ माना जाता है। अगर आपके घर में शीशा इस दिशा में नहीं लगा है, तो आप इस दिशा में शीशा लगाएं। वहीं यदि इस दिशा में शीशा लगा है, तो इसके पिछले हिस्से पर कपूर जलाकर उससे बनने वाले काजल का टीका लगाएं। शीशे से जन्म लेने वाली निगेटिव एनर्जी खत्म होती है।

## श्रीकृष्ण की 16,000 पटरानियां का छोटी दिवाली से क्या है संबंध, इस दिन को क्यों कहते हैं नरक चतुर्दशी ?

दीपावली महापर्व की तैयारियां शुरु हो चुकी हैं। दिवाली से एक दिन पहले यम की पूजा के लिए यम चतुर्दशी यानी नरक चतुर्दशी मनाई जाती है। इस तिथि पर यम का दीपक जलाने का विधान है। इस दिन का नाम नरक चतुर्दशी इसलिए पड़ा क्योंकि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राक्षस नरकासुर का वध करके 16,000 कन्याओं को उसके बंदीगृह से मुक्त कराया था। चलिए जानते हैं इस कथा के बारे में।

नरक चतुर्दशी की कथा

कथाओं के अनुसार, नरकासुर ने अपने अत्याचारों से तीनों लोकों में भय का माहौल बना दिया था। उसने भगवान इंद्र का ऐरावत हाथी छीन लिया था और देवी अदिति (इंद्र की माता) के कुंडल भी चुरा लिए थे। उसने अनेक राजाओं की कन्याओं को बंदी बना रखा था। नरकासुर के आतंक से पीड़ित सभी देवता भगवान श्रीकृष्ण के पास पहुंचे और उनसे इस राक्षस का वध करने की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर के अत्याचारों को समाप्त करने का संकल्प लिया और अपनी पत्नी सत्यभामा के साथ नरकासुर के राज्य में पहुंचे।

नरकासुर को मिला था वरदान

ऐसा कहा जाता है कि नरकासुर को एक वरदान प्राप्त था कि उसकी मृत्यु किसी स्त्री के हाथों ही होगी। इसलिए जब युद्ध में श्रीकृष्ण ने उसे कमजोर कर दिया, तो सत्यभामा ने उसका वध कर दिया। इस प्रकार नरकासुर का अंत हुआ, और भगवान श्रीकृष्ण ने 16,000 कन्याओं को उसकी कैद से मुक्त कर उन्हें सम्मान दिया। इस घटना के उपलक्ष्य में नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है।

नरक चतुर्दशी मनाने का उद्देश्य

नरक चतुर्दशी के दिन लोग सूर्योदय से पहले स्नान करते हैं और इसे अभ्यंग स्नान कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन अभ्यंग स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। लोग इस दिन दीप जलाकर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने नरकासुर का अंत कर बुराई पर अच्छाई की जीत सुनिश्चित की। इस प्रकार, नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली के दिन नरकासुर वध की याद में त्योहार मनाया जाता है, जो यह संदेश देता है कि बुराई का अंत निश्चित है और अच्छाई की विजय अवश्य होती है।

## लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय भूलकर भी ना करें ये गलतियां, जानें किस तरह से लगाएं

लड़कियां लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय अक्सर गलतियां कर देती हैं। गलत तरीके लिपस्टिक लगाने से यह स्टिकी लगती है बल्कि सही शेड भी नहीं दिखता। यदि आप भी लिक्विड मैट लिपस्टिक लगाते हैं तो इन 4 गलतियों को कभी भी ना दोहराएं। आइए जानते हैं लिक्विड मैट लिपस्टिक कैसे लगाएं।

आजकल लिक्विड मैट लिपस्टिक काफी ट्रेंड में हैं और लगभग हर कंपनी की मैट लिपस्टिक आपको आसानी से मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएगी। लेकिन इसे लगाने का सही तरीका आपको पता होना चाहिए। कई बार तो लिक्विड मैट लिपस्टिक खरीदने के दौरान मनचाहा कलर और शेड नहीं मिलता। यदि आप भी लिक्विड मैट लिपस्टिक लगाते हैं तो इन 4 गलतियों को कभी भी ना दोहराएं। आइए जानते हैं लिक्विड मैट लिपस्टिक कैसे लगाएं।

सीधा होठों पर ना लगाएं लिक्विड लिपस्टिक

जब आप लिक्विड लिपस्टिक लगाते हैं तो पहले होठों को प्रिपेयर करना जरुरी होता है। चाहे लिपस्टिक लिक्विड रहती है लेकिन ड्राई होठों पर लगाने से लिपस्टिक की स्मूद फिनिश नहीं आती है। इसलिए लिपस्टिक लगाने से पहले होठों पर लिप बम को जरुर लगाएं और इसे अच्छे से सॉफ्ट बना लें। फिर लगाएं।

ब्रश को करें साफ

लिपस्टिक लगाते समय में जब भी ब्रश को निकालें तो शीशी के किनारों पर लिपस्टिक को अच्छी तरह से पोंछ दें। क्योंकि ब्रश पर अधिक लिपस्टिक होती है इसे आप डायरेक्ट होठों पर लगाने से ज्यादा लग जाएगी। इसलिए ब्रश से अतिरिक्त लिपस्टिक हटा दें। इसके बाद होठों पर अप्लाई करें।

होठों की लिपस्टिक मिक्स ना करें

अक्सर जब हम लिपस्टिक लगाते हैं तो दोनों होठों की लिपस्टिक को मिक्स कर देते हैं। ऐसा करने से एक लाइन सी क्रिएट होती है और स्मूद लुक नहीं आता। इसलिए दोनों होठों पर इक्वली लगाएं और मिक्स ना करें।

दूसरा कोट अप्लाई करने से पहले इंतजार करें

ध्यान रखें कि लिक्विड लिपस्टिक के एक कोट लगाने के बाद ड्राई होने का इंतजार करें। फिर आप दूसरा कोट को अप्लाई करें। इससे परफेक्ट फिनिश मिलती है बल्कि लिपस्टिक का सही शेड भी आता है। जब आप लिक्विड लिपस्टिक लगाएं तो इन गलतियों को बिल्कुल ना करें।

## उत्तराखंड के इस दूसरे गांव के आगे फेल है विदेश के नजारे, सर्दियों में करें एक्सप्लोर

> उत्तराखंड में गमशाली एक ऐसी जगह है, जिसको उत्तराखंड का दूसरा गांव भी कहा जाता है। गमशाली गांव को राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको गमशाली की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड को देश का प्रमुख और फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। नवंबर 2000 में उत्तराखंड की स्थापना हुई और यह देश का 27वां राज्य बना। उत्तराखंड की खूबसूरती को देखने के लिए हजारों–लाखों की संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। इस बेहद खूबसूरत राज्य को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि उत्तराखंड की हसीन वादियों में कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जो आज भी पर्यटकों की नजरों से दूर हैं। उत्तराखंड में गमशाली एक ऐसी जगह है, जिसको उत्तराखंड का दूसरा गांव भी कहा जाता है। गमशाली गांव को राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गमशाली की खासियत और यहां पर मौजूद कुछ अद्भुत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं।

कहां है गमशाली

उत्तराखंड के गमशाली गांव की खूबसूरती के बारे में बताने से पहले यह जानना जरूरी है कि यह गांव कहां है। यह गांव दक्षिण तिब्बत की सीमा के बेहद पास है। बताया जाता है कि पूरा तिब्बत चीन के अधिकार में है।

गमशाली गांव दक्षिण तिब्बस की सीमा के पास है। लेकिन यह उत्तराखंड में नीति वैली के तहत आता है। यह बेहद खूबसूरत गांव नीति वैली से कुछ ही दूरी पर मौजूद है। भारत–चीन सीमा के पास स्थित होने के कारण इसे उत्तराखंड का दूसरा गांव भी कहा जाता है।

इस जगह की खासियत

गमशाली एक सीमावर्ती इलाका है, जो चारों ओर से बर्फ से ढका हुआ है। यहां पर भीषण गर्मी में भी तापमान बहुत कम रहता है और यहां की प्राकृतिक सुंदरता और शुद्ध वातावरण इस जगह का सबसे बड़ा खजाना माना जाता है।

गमशाली की चोटी से आप चीन और दक्षिणी तिब्बत की खूबसूरती को निहार सकते हैं। यहां पर मौजूद झील–झरने और हरियाली पर्यटकों को खूब भाती है। इस जगह को उत्तराखंड का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। सर्दियों में इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। क्योंकि इस दौरान पूरा का पूरा गांव बर्फ से ढक जाता है।

गमशाली समुद्र तल से करीब 11 हजाप फीट की ऊंचाई पर मौजूद है, यह जगह पर्यटकों के बीच भी काफी फेमस है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। रात के समय में यहां का आकाशीय नजारा देखना न भूलें।

गमशाली गांव न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। यहां पर ट्रेकिंग करने का अपना ही मजा होता है। बता दें कि हाईकिंग, ट्रेकिंग और कैंपिंग के लिए यह जगह स्वर्ग मानी जाती है।

घूमने की जगहें

गमशाली में ऐसी कई शानदार, हसीन और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे धौली गंगा नदी, नीति वैली, भ्यूंडार खाल ट्रेक और गमशाली मंदिर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

बता दें कि आप गमशाली आसानी से पहुंच सकते हैं। गमशाली जाने के लिए सबसे पहले आपको उत्तराखंड से जोशीमठ जाना होगा। फिर जोशीमठ से लोकल सवारी से जरिए आप गमशाली की हसीन वादियों में पहुंच सकते हैं। जोशीमठ से गमशाली की दूरी 82 किमी है।

## संक्षिप्त

### धनतेरस पर चढ़ा सोने का भाव, रेट देखकर उड़ जाएंगे होश

देश भर में आज धनतेरस का त्योहार मनाया जा रहा है। धनतेरस के साथ ही दिवाली की शुरुआत भी हो गई है। धनतेरस के मौके पर सोना–चांदी खरीदना काफी शुभ होता है। सोना खरीदने की तैयारी अगर आपकी भी है तो सोने और चांदी की कीमत में धनतेरस के दिन गिरावट देखने को मिली है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 490 रुपये नीचे गिर गया है। सोने की कीमत इसके साथ ही 79960.3 प्रति 10 ग्राम हो गई है। वहीं 22 कैरेट गोल्ड की कीमत में भी गिरावट आई है। 22 कैरेट सोना 450 रुपये नीचे गिरा है। इसकी कीमत अब 73313 रुपये हो गई है। राहत की बात है कि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चांदी की कीमत 101000 रुपये पर हो गई है। वहीं एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना दोपहर 12 बजे 199.00 अंक की तेजी के साथ 78765.00 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक सोना धनतेरस के दिन यानी मंगलवार को 78643.00 रुपये पर खुला। 29 अक्टूबर को सोना शुरुआती कारोबार में यह 78643.00 रुपये पहुंचा था। वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी भी 198.00 रुपये की तेजी के साथ 97622.00 रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंची। बता दें कि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोना 79811 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 109600 रुपये किलो, मुंबई में सोना 79817 रुपये और चांदी 100300 रुपये, कोलकाता में सोना 79815 रुपये और चांदी 101800 रुपये के भाव पर है।

### गिर गए टाटा मोटर्स के शेयर, आई इतनी गिरावट

ऑटो शेयरों में सामान्य बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी की सभी कंपनियों में टाटा मोटर्स लिमिटेड में सबसे अधिक गिरावट आई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 को दोपहर 12 बजे टाटा मोटर्स के शेयर 4.18 प्रतिशत गिरकर 842 रुपये पर आ गए। बिकवाली का संकेत एनएसई ऑटो सूचकांक में दोपहर 12 बजे

2.16 प्रतिशत की गिरावट से मिलता है, जिसमें आयशर मोटर्स लिमिटेड और अपोलो टायर्स लिमिटेड को छोड़कर सभी शामिल कंपनियां नुकसान में हैं।

ऑटो शेयरों में बिकवाली का क्या कारण था?

यह बिकवाली उस खबर से शुरू हुई थी, जिसमें कहा गया था कि ऑटो उद्योग में मंदी जारी रहने वाली है, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने घोषणा की है कि सितंबर 2024 में निजी वाहन खुदरा बिक्री में सितंबर 2023 की तुलना में लगभग 19: की गिरावट आई है। इसके लिए श्राद्ध, पितृपक्ष, भारी वर्षा और सुस्त अर्थव्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया गया, जिससे सितंबर में इन्वेंट्री का स्तर 80–85 दिनों के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। जहां तक घ्टाटा मोटर्स की बात है तो कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024–25 की दूसरी तिमाही में अपनी कुल बिक्री लगभग 12: घटकर 2.15 लाख इकाई रहने की घोषणा की है, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 2.43 लाख इकाई थी।

### जेएसडब्ल्यू समूह, दक्षिण कोरिया के पॉस्को ने स्टील इकाई स्थापित करने के लिए किया सहयोग

नयी दिल्ली । जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में 50 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता का संयंत्र विकसित करने तथा बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए दक्षिण कोरिया स्थित पॉस्को समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंगलवार को घोषणा की। जेएसडब्ल्यू समूह ने बयान में कहा, '' जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में इस्पात, बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा तैयार करते हुए पॉस्को समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।'' बयान में कहा गया, दोनों पक्ष इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से संबंधित बैटरी सामग्री तथा प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे। जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा, '' पॉस्को के साथ यह समझौता ज्ञापन भारतीय इस्पात उद्योग में योगदान देने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत सतत विकास के लिए जबरदस्त अवसर प्रस्तुत करता है और पॉस्को के साथ हमारी साझेदारी उस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए जेसीडब्ल्यू की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।'' उन्होंने कहा, '' साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी और स्थिरता में एक ऐसा मानक स्थापित करना है जो भारत तथा उसके बाहर विनिर्माण के भविष्य को आकार दे सके।'' यह साझेदारी भारत में 50 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की प्रारंभिक क्षमता वाले एक एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना पर केंद्रित होगी। पॉस्को के चेयरमैन चांग इन–ह्वा ने कहा, '' यह सहयोग कोरिया और भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा। साथ ही अधिक पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ भविष्य की दिशा में हमारे संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाएगा।

# तीसरे टेस्ट में भी नहीं खेलेंगे विलियम्सन, सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है न्यूजीलैंड की टीम

*विलियम्सन कमर की चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं और मुंबई में होने वाले तीसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड की दो टेस्ट मैचों में जीत से भारत की घरेलू सरजमीं पर 2012 से चली आ रही 18 सीरीज की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया।*

वेलिंग्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले की शुरुआत एक नवंबर से होगी। कीवी टीम पहले ही सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। वहीं, टीम इंडिया इस मुकाबले में सम्मान बचाने उतरेगी। तीसरा टेस्ट न्यूजीलैंड के लिए महज एक औपचारिकता है जो पहले ही टीम इंडिया के खिलाफ सीरीज जीत चुकी है। ऐसे में कीवी दिग्गज केन विलियम्सन को तीसरे टेस्ट से भी आराम दिया गया है। वह शुरुआती दो टेस्ट में भी नहीं खेले थे। विलियम्सन कमर की चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं और मुंबई में होने वाले तीसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड की दो टेस्ट मैचों में जीत से भारत की घरेलू सरजमीं पर 2012 से चली आ रही 18 सीरीज की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, केन लगातार अच्छे संकेत दे रहे हैं, लेकिन वह हमारे साथ जुड़ने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। स्टीड ने कहा, हालांकि, चीजें आशाजनक लग रही हैं और हमें लगता है कि उनके लिए सबसे अच्छा कदम न्यूजीलैंड में रहना और अपने रिहैब के अंतिम भाग पर ध्यान केंद्रित करना है। इसलिए

उनके लिए इंग्लैंड जाना अच्छा रहेगा। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। स्टीड ने कहा, श्इंग्लैंड सीरीज में अभी एक महीना बाकी है इसलिए सतर्क रुख अपनाने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वह क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के लिए तैयार हैं। ब्लैक कैप्स के खिलाफ सीरीज हार ने 62.82 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने रहने के बावजूद अगले साल विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की भारत की उम्मीदों को कम कर दिया है। अब, उन्हें कीवी टीम के खिलाफ तीसरा टेस्ट जीतने की जरूरत है, और अगले महीने से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर सीरीज जीत भी सुनिश्चित करनी होगी।

# मैथ्यू वेड ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास, ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान भी रह चुके

***वेड ने उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान पर रोमांचक सेमीफाइनल जीत में सिर्फ 17 से 41 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने शाहीन अफरीदी की जमकर धुनाई की थी।***

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर–बल्लेबाज मैथ्यू

वेड ने 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद मंगलवार को सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। अपने करियर में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 225 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। 36 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 विश्व कप के तीन संस्करणों में हिस्सा लिया। उनकी सबसे यादगार उपलब्धि 2021 में आई जब उन्होंने उप–कप्तान के रूप में अपनी टीम को खिताब दिलाया था। वेड ने उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान पर रोमांचक सेमीफाइनल जीत में सिर्फ 17 से 41 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने शाहीन अफरीदी की जमकर धुनाई की थी। इस कीपर–बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 36 टेस्ट मैच भी खेले, जिसमें 29.87 की औसत से चार टेस्ट शतक और पांच अर्धशतक के साथ 1,613 रन बनाए। टेस्ट में 117 का करियर सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें एशेज टेस्ट में आया था। उन्होंने 97 वनडे मैच भी खेले, जिसमें 83 पारियों में 26.29 की औसत से 1,867 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। 92 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 26.03 की औसत से 134.15 के स्ट्राइक रेट के साथ 1,202 रन बनाए। उन्होंने 80 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ प्रारूप में तीन अर्धशतक बनाए। हालांकि, वेड ऑस्ट्रेलिया में घरेलू स्तर पर खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर के फ्रेंचाइजी क्रिकेट में दिखाई देंगे। इस अनुभवी खिलाड़ी को पाकिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही वह अपनी कोचिंग यात्रा भी शुरू करेंगे। वेड अपने क्रिकेट सफर के अगले अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने खुलासा किया कि उनकी योजना हमेशा से कोचिंग पर ध्यान देने की थी। उन्होंने कहा, श्मुझे पता था कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म होने वाला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने और कोचिंग के लिए पिछले छह महीने से जॉर्ज बेली और एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ लगातार बातचीत हो रही है। वेड ने कहा, श्कोचिंग पिछले कुछ वर्षों में मेरे रडार पर रही है और शुक्र है कि कुछ अच्छे अवसर मेरे रास्ते में आए हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूं। मैं बीबीएल (बिग बैश लीग) और फ्रेंचाइजी लीग खेलना जारी रखूंगा, लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में उन प्रतिबद्धताओं के आसपास, मैं अपनी कोचिंग करियर पर भी निवेश कर रहा हूं। मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने वाला है और मैं अपने ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी साथियों, स्टाफ और कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने इस सफर का आनंद लिया क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मेरे आसपास अच्छे लोगों के बिना मैं कभी भी खुद से उतना नहीं निकल पाता जितना मैंने किया।श

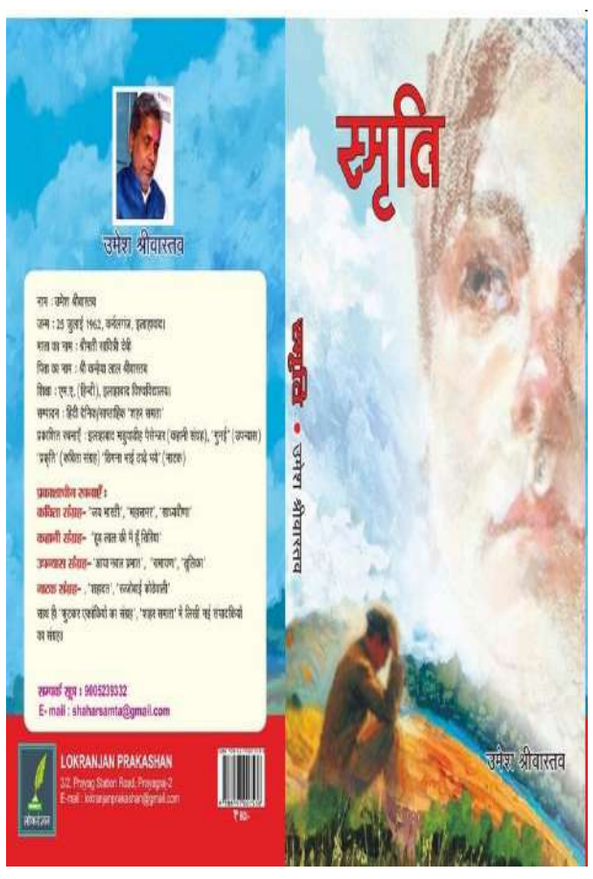


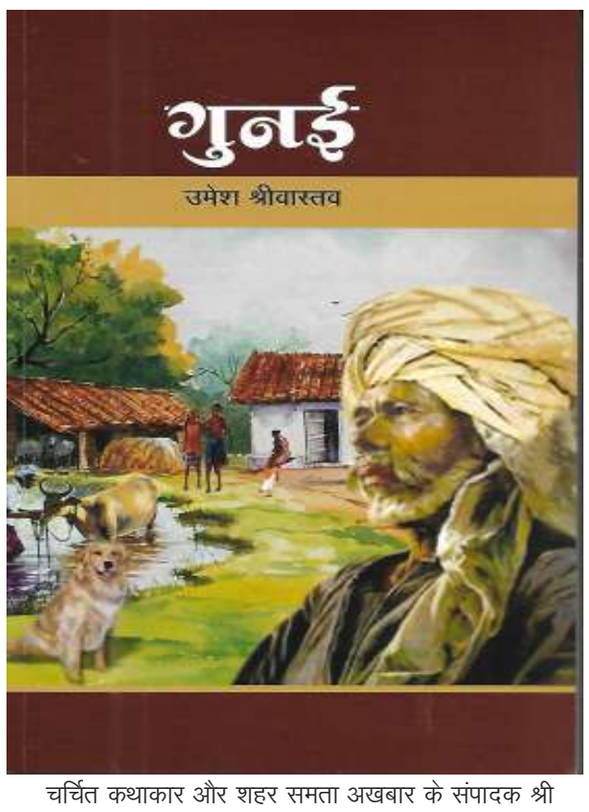


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

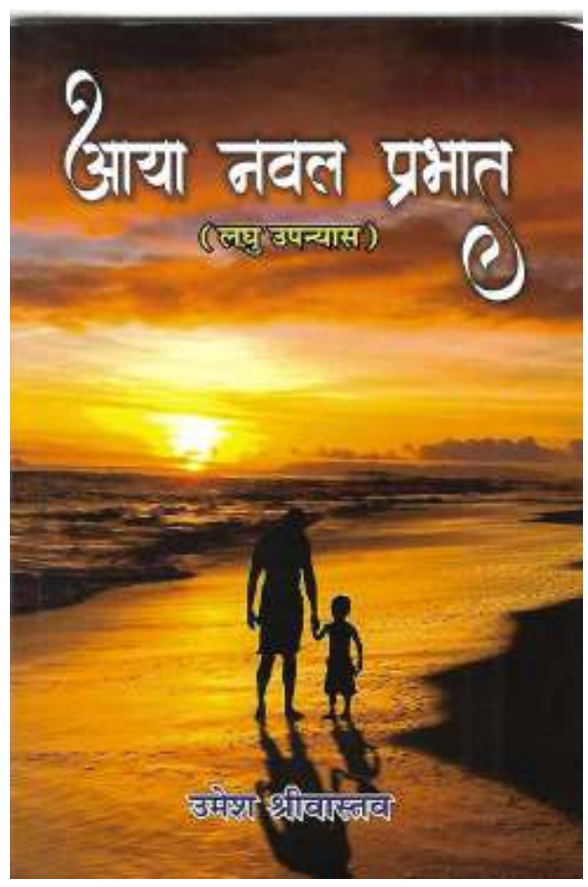


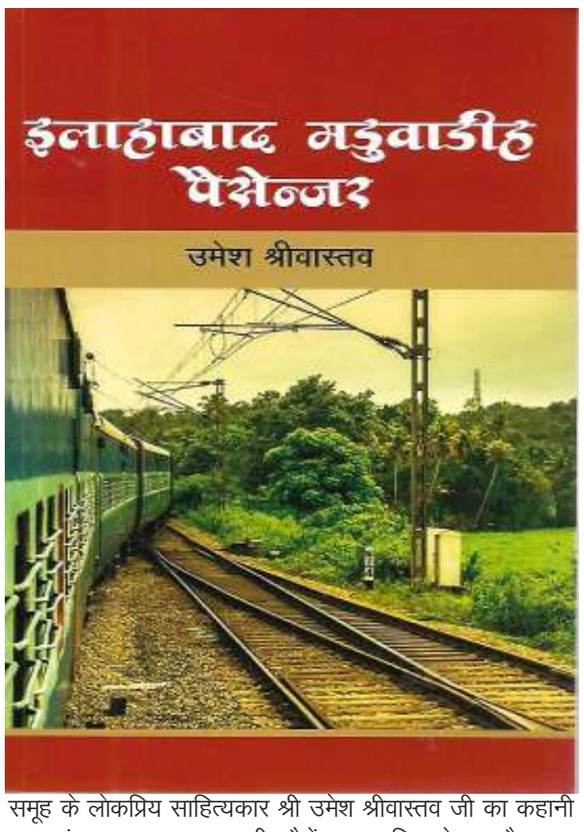


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

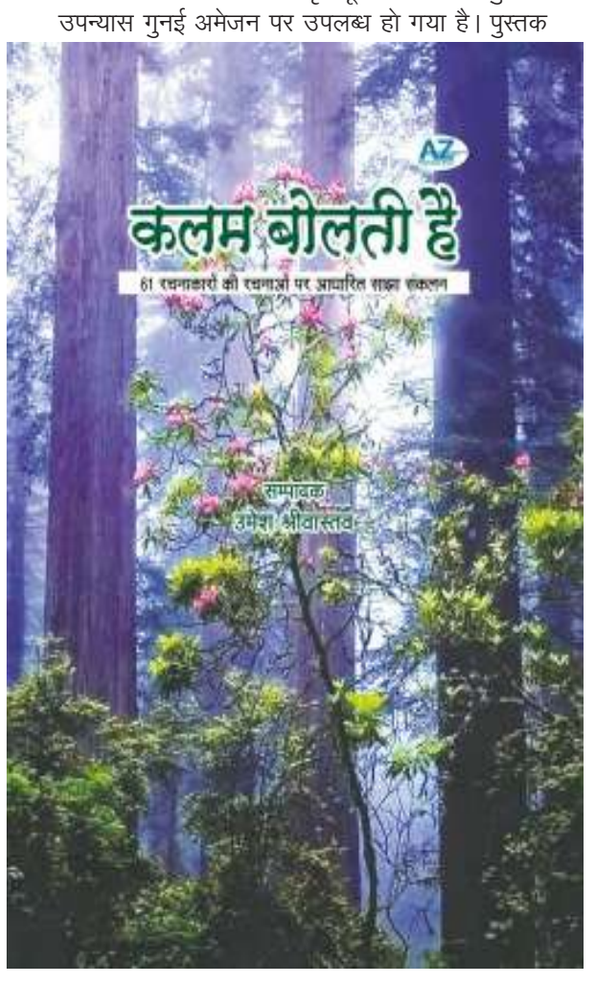


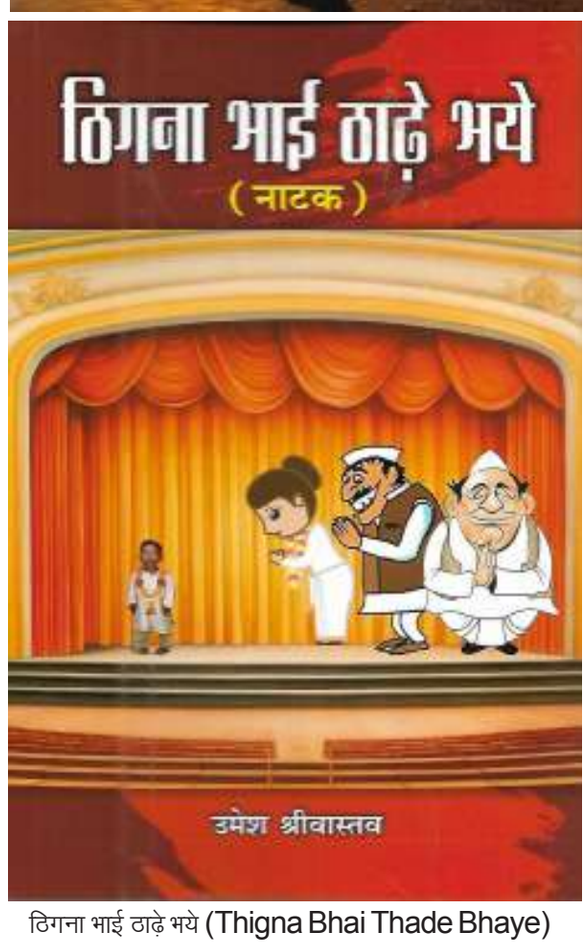


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# अमेरिका को भी ईवीएम पर नहीं है भरोसा ? चुनाव में क्यों किया जाता है बैलेट बॉक्स का ही इस्तेमाल




अब से कुछ दिन बाद दुनिया का सबसे पुराना लोकतांत्रिक देश और सबसे ताकतवर माना जाने वाला देश अमेरिका अपना राष्ट्रपति चुनेगा। इस बार सीधी लड़ाई डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच है। ट्रंप पिछला चुनाव हारे थे, लेकिन अभी जीतना चाहते हैं। कमला हैरिस अपनी पार्टी के नेता जो बाइडेन की पॉलिसी को आगे बढ़ाना चाहती हैं। दुनिया का सबसे ताकवक मुल्क अमेरिका और उस पर राज करने वाला व्यक्ति सबसे ताकवर माना जाता है। ऐसे में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन बनता है, दुनिया की इस पर नजर रहती है। वहां अभी राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है और 5 नवंबर को अपने नेता के लिए वोट किया जाएगा। भारत की तरह ही अमेरिका भी एक लोकतांत्रिक देश है और वोटिंग काफी अहम हो जाती है। लेकिन भारत से इतर वहां की प्रक्रिया थोड़ी कठिन और अलग होती है। अमेरिका में दो पार्टी सिस्टम है। पहला रिपब्लिकन और दूसरा डेमोक्रेट है। दोनों पार्टियों को अपनी अपनी तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना होता है। अमेरिकी संविधान के आर्टिकल 2 के सेक्शन 1 में वहां के राष्ट्रपति चुनाव की जानकारी विस्तृत रूप से दी गई है। इसमें तीन बातों का ध्यान दिया गया है। अगर कोई व्यक्ति चुनाव अमेरिका का राष्ट्रपति बनना चाहता है तो उसे ये तीन शर्तें पूरी करनी ही होगी।

1. चुनाव लड़ने वाला व्यक्ति पैदाइशी अमेरिकी होना चाहिए।

2. उसकी उम्र कम से कम 35 साल होनी चाहिए।

3. चुनाव लड़ने वाला व्यक्ति कम से कम 14 बरस तक अमेरिका में रहा होना चाहिए।

18वीं सदी से चला आ रहा बैलेट

पेपर बैलेट यहां पर 18वीं सदी से चला आ रहा है इसलिए इसे चुनाव में एक रिचुअल की तरह भी देखा जाता है। अमेरिका में ई–वोटिंग का एकमात्र तरीका है ईमेल या फैक्स से वोट करना। इसमें भी वोटर को बैलेट फॉर्म भेजा जाता है, जिसे वो भरते हैं और ई–मेल या फैक्स कर सकते हैं। वहां का चुनाव आयोग इसकी एक वजह ये बताता है कि अमेरिकी नागरिक को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर उतना भरोसा नहीं अगर बात वोटिंग जैसी महत्वपूर्ण हो।

हैंगिंग चौड्स और 2000 का चुनाव

साल 2000 तक अमेरिका में पंच–कार्ड वोटिंग मशीनों के साथ पेपर बैलेट का इस्तेमाल होता था। जॉर्ज डब्ल्यू बुश और अल गोर के बीच वह चुनाव और उसके नतीजे विवादों में रहे। जिसे श्हैंगिंग चौड्सश से जाना जाता था। मतदाताओं द्वारा अपने चुने हुए उम्मीदवार को इंगित करने के लिए इन कागज़ों पर मुक्का मारा जाना था। इसके बजाय, इससे अराजकता फैल गई और चुनाव तभी समाप्त हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने फ्लोरिडा में पुनर्मतगणना रोक दी और जॉर्ज डब्ल्यू बुश को विजेता मान लिया। 2002 में अमेरिका ने हेल्प अमेरिका वोट एक्ट (भ्।ट।) पारित किया। सरकार ने नए उपकरण खरीदने के लिए अरबों डॉलर भी अलग रखे, जिसमें डायरेक्ट रिकॉर्डिंग इलेक्ट्रॉनिक (डीआरई) मशीनें भी शामिल हैं, जहां कोई कागजी निशान नहीं है। लेकिन पेपरलेस वोटिंग में बड़ा बदलाव नहीं हुआ।

## नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद हिजबुल्लाह का बड़ा कदम, नईम कासिम को बनाया नया चीफ




मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बीच हिजबुल्लाह ने मंगलवार को नईम कासिम को अपना नया नेता घोषित किया। कासेम हसन नसरल्लाह का स्थान लेंगे जो पिछले महीने बेरूत पर इजरायली हमले में मारा गया था। नए नेता के साथ, क्षेत्र में स्थिति और अधिक जटिल होने की संभावना है। नसरल्लाह की मौत के बाद भी हिजबुल्लाह लगातार इजरायली सेना से लड़ रहा है। पहले, यह अनुमान लगाया गया था कि हशेम सफीदीन दिवंगत हिजबुल्लाह नेता, नसरल्लाह का उत्तराधिकारी बनेगा।

हालांकि, 23 अक्टूबर को इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने पुष्टि की कि वह लगभग तीन सप्ताह पहले ही मारा गया था। टाइम्स ऑफ इज़राइल के अनुसार, कासिम लंबे समय तक नसरल्लाह का डिप्टी रहा है और पिछले महीने नसरल्लाह की हत्या के बाद से वह समूह के कार्यवाहक नेता के रूप में काम कर रहा है।

गाजा में ताजा हमले में 60 लोगों की मौत

गाजा में युद्ध जारी है। इजरायली हमले में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी गाजा में जहां विस्थापित फिलिस्तीनी शरण लिए हुए थे, उस पांच मंजिला इमारत पर इजरायली हमले में मंगलवार को कम से कम 60 लोग मारे गए, जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। मंत्रालय की आपातकालीन सेवा ने कहा कि इजरायली सीमा के पास उत्तरी शहर बेइत लाहिया में हुए हमले में 20 अन्य लोग घायल हो गए।

## पाकिस्तान में आतंकी हमलों में सात की मौत, मृतकों में दो सुरक्षाकर्मी और पांच बांधकर्मी शामिल

पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है जहां सोमवार को अशांत उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान में सुरक्षा बलों की एक बम निरोधक इकाई पर हमला होने से कम से कम दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले के जन्नता में बम निरोधक इकाई पर हमला किया।

दो सुरक्षाकर्मियों की मौत

इस हमले में 2 सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कानून लागू करने वालों ने तुरंत इलाके को सील कर दिया और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया। एक अलग घटना में, खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जिले में नमाज अदा कर रहे अलीखेल इलाके की एक मस्जिद से एक सुरक्षाकर्मी का अपहरण कर लिया गया। प्रांत के दक्षिणी हिस्सों में पिछले कुछ महीनों से आतंकवादियों द्वारा पुलिस और एफसी के सुरक्षाकर्मियों का अपहरण करने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

इस्राइल ने गाजा के लोगों के लिए पारित किया ये खास कानून

इस्राइल और हमास के बीच एक साल से अधिक समय से चल रहे संघर्ष में अभी तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। इसी बीच इस्राइली सांसदों ने सोमवार को एक ऐसा कानून पारित किया जो गाजा में लोगों को सहायता प्रदान करने वाली मुख्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के काम को खतरे में डाल सकता है, क्योंकि इससे उसे इस्राइली धरती पर काम करने से रोक दिया जाएगा।

क्या है कानून विशेषता

जानकारी के अनुसार यह विधेयक फलस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी या न्छॅत्। को इज़रायल के अंदर कोई भी गतिविधि करने या कोई भी सेवा प्रदान करने से प्रतिबंधित करता है। यह कानून, जो तुरंत प्रभावी नहीं होगा, पहले से ही कमज़ोर सहायता वितरण प्रक्रिया को ऐसे समय में ध्वस्त करने का जोखिम उठाता है जब गाजा में मानवीय संकट बिगड़ रहा है और इज़रायल सहायता बढ़ाने के लिए अमेरिका के बढ़ते दबाव में है। बता दें कि यह कानून 92–10 से पारित हुआ और कानून के समर्थकों और इसके विरोधियों, जिनमें से ज़्यादातर अरब संसदीय दलों के सदस्य थे, के बीच तीखी बहस हुई।

बलूचिस्तान में कांगो वायरस के एक और मामले की पुष्टि

बलूचिस्तान में कांगो वायरस का एक और मामला सामने आया है, जिससे इस साल मामलों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। वहीं इस मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि ब्ब्भ्थ् वायरस गंभीर वायरल रक्तस्रावी बुखार के प्रकोप का कारण बनता है और इसके मामले में मृत्यु दर 40 प्रतिशत तक है। वायरस मुख्य रूप से टिक्स और पशुओं से लोगों में फैलता है। बता दें कि संक्रमित व्यक्तियों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के साथ निकट संपर्क के परिणामस्वरूप या वध के दौरान और तुरंत बाद संक्रमित पशु रक्त या ऊतकों के संपर्क के माध्यम से मानव–से–मानव संचरण हो सकता है। अधिकांश मामले पशुधन उद्योग से जुड़े लोगों में हुए हैं, जैसे कि कृषि श्रमिक, बूचड़खाने के कर्मचारी और पशु चिकित्सक। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, संक्रमित व्यक्तियों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के साथ निकट संपर्क के परिणामस्वरूप मानव–से–मानव संचरण हो सकता है। अस्पताल में होने वाले संक्रमण चिकित्सा उपकरणों के अनुचित नसबंदी, सुइयों के दोबारा इस्तेमाल और चिकित्सा आपूर्ति के दूषित होने के कारण भी हो सकते हैं।

जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस अस्पताल में भर्ती

ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती कराने की अनुमति दे दी है। वह करीब एक माह से ज्यादा समय से अस्वस्थ थीं। यह जानकारी एक ईरानी कार्यकर्ता ने दी। फ्री कोएलिशन ने बयान में कहा, मोहम्मदी को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के व्यापक उपचार करने के लिए राहत मिलनी चाहिए। मोहम्मदी को कुख्यात एविन जेल में रखा गया था।

अगले माह चीन की यात्रा करेंगे नेपाल के प्रधानमंत्री

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अगले माह के अंत तक चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्र के हवाले से माय रिपब्लिका अखबार ने बताया, सरकार अपने कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे करने वाली है। इसी के मद्देनजर विदेश मंत्रालय ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा की तैयारी कर रहा है। यह यात्रा पदभार ग्रहण करने के बाद ओली की अपने निकटतम पड़ोसी की पहली यात्रा होगी। बता दें, नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा कार्यकाल है।

भारत ने फलस्तीन के लोगों के लिए भेजी मानवीय सहायता

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत लगातार फलस्तीन के लोगों का समर्थन कर रहा है। फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करते हुए, भारत ने आवश्यक जीवन रक्षक और कैंसर रोधी दवाओं सहित 30 टन चिकित्सा आपूर्ति भेजी है।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर जिले में मंगलवार को हुए एक हमले में पांच बांधकर्मियों की मौत हो गई है। यह हमला संदिग्ध अलगाववादियों द्वारा किया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि आतंकवादियों ने बांध पर तैनात सुरक्षा अधिकारियों और कर्मियों पर हमला किया। शाहिद रिंद ने कहा, पांच लोग मारे गए और दो अन्य घायल हुए हैं। लेकिन उन्होंने इस बात की पुष्टि नहीं की कि हमले में कोई सुरक्षा अधिकारी मारा गया है या नहीं। रिंद ने बताया कि हमला जिले के प्रुम इलाके में सुबह–सुबह हुआ।

## 100 दिन पूरे कर रही ओली सरकार, चीन की यात्रा करने वाले हैं नेपाली पीएम

नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नवंबर के मध्य और दिसंबर के मध्य के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में एक उच्च स्तरीय स्रोत का हवाला देते हुए, माई रिपब्लिका अखबार ने बताया कि विदेश मंत्रालय ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा की तैयारी कर रहा है क्योंकि सरकार कार्यालय में अपने पहले 100 दिन पूरे कर रही है। ताजा घटनाक्रम को नेपाल के भूराजनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। टिप्पणी के लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो प्रवक्ता उपलब्ध नहीं थे। हालांकि, विदेश मंत्रालय के एक उच्च स्तरीय सूत्र ने कहा कि न तो भारत और न ही चीन ने अब तक प्रधानमंत्री को आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण सौंपा है। प्रस्तावित यात्रा जुलाई के मध्य में पदभार ग्रहण करने के बाद ओली की निकटतम पड़ोसी की पहली यात्रा होगी, जो नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में उनका चौथा कार्यकाल है। ओली ने पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक की थी। मुलाकात के दौरान ओली ने पीएम मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ओली संभवतः नवंबर के भीतर चीन का दौरा करेंगे, हालांकि तारीखों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यात्रा को सार्थक और उत्पादक बनाने के लिए तैयारी चल रही है। ओली ने श्वन चाइनाश नीति के प्रति हिमालयी राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा था कि देश में किसी भी चीन विरोधी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। ओली ने यह टिप्पणी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जीनिंग के नेतृत्व वाले उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में की। यह बैठक काठमांडू के बलुवतार स्थित उनके आधिकारिक आवास पर हुई। ओली ने दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल के क्षेत्र के भीतर किसी भी चीन विरोधी गतिविधियों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## संरा की एक एजेंसी को गाजा में सहायता प्रदान करने से रोकने वाले दो विधेयकों को इजराइल की मंजूरी

दुबई। इजराइल की संसद ने दो विधेयक पारित किए हैं जो संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थियों से संबंधित एजेंसी को गाजा में सहायता प्रदान करने से रोक सकते हैं। इन कानूनों में फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को सहायता आपूर्ति से रोकने के प्रावधान हैं और ये एजेंसी तथा इजराइल की सरकार के बीच सारे संबंधों को तोड़ सकते हैं। यह एजेंसी के खिलाफ लंबे समय से चल रहे अभियान का नतीजा है, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसमें हमास ने घुसपैठ की है। लेकिन एजेंसी के समर्थकों का कहना है कि इजराइल का असली उद्देश्य फलस्तीनी शरणार्थियों के मुद्दे को दरकिनार करना है। यह एजेंसी गाजा में सहायता प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था है और वेस्ट बैंक समेत क्षेत्र में रह रहे लाखों फलस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सेवाएं प्रदान करती है। एजेंसी के प्रमुख महाआयुक्त फिलिप लाजारिनी ने विधेयकों पर मतदान के बाद 'एक्स' पर इस कदम को अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि ये विधेयक ''केवल फलस्तीनियों की पीड़ा, खासतौर पर गाजा में उनकी परेशानियों को बढ़ाएंगे जहां लोग एक साल से अधिक समय से बुरी हालत में हैं।'' इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी पर उन सदस्यों को लेकर आंखें मूंदने का आरोप लगाया है जिन्हें लेकर वह दावा करता है कि वे हमास से जुड़े हैं और सैन्य मकसद से यूएनआरडब्ल्यूए की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं।

## संक्षिप्त

### पाकिस्तान में दो अलग–अलग घटनाओं में पोलियो टीकाकरण करने वालों पर हमला

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत उत्तर–पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीकाकरण दल पर हमला करने वाले तीन आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। सूत्रों ने यहां बताया कि एक अन्य घटना में आतंकवादियों ने उसी प्रांत के एक 'डिस्पेंसरी' में पोलियो टीकाकरण करने




वाली टीम को बंधक बना लिया। पोलियो टीकाकरण टीम पर हमले की इस घटना से एक दिन पहले सोमवार को पाकिस्तान ने 4.5 करोड़ बच्चों के टीकाकरण के लिए अपना तीसरा राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू किया। पहली घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे औरकजई कबायली जिले में हुई, जहां पोलियो टीकाकरण कर्मियों पर हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कम से कम तीन आतंकवादियों को मार गिराया। किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। उत्तरी वजीरिस्तान की तहसील शेवा में हुई दूसरी घटना में आतंकवादियों ने ममेत कोट 'डिस्पेंसरी' में पोलियो टीकाकरण टीम को बंधक बना लिया। सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस अधिकारियों से हथियार भी जब्त कर लिए। पाकिस्तान में कबायली लोग अपने बच्चों को पोलियो का टीका दिए जाने के खिलाफ हैं और वे अपने दृष्टिकोण की पुष्टि के लिए शरिया का हवाला देते हैं तथा इसे गैर–इस्लामी बताते हैं। पाकिस्तान ने सोमवार को 4.5 करोड़ बच्चों को इस घातक बीमारी से बचाने के लिए अपना तीसरा राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया। पाकिस्तान के 16 जिलों से लिए गए नमूनों में पोलियो के वायरस पाए गए हैं।

### ब्राजील का चीन की बीआरआई में शामिल होने से इंकार, भारत पहले कर चुका है इनकार

बीजिंग। चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) योजना को झटका देते हुए ब्राजील ने बीजिंग की अरबों डॉलर की इस पहल में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है। इस प्रकार वह ब्रिक्स समूह में भारत के बाद दूसरा देश बन गया




है, जिसने इस विशाल परियोजना का समर्थन नहीं किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा के विशेष सलाहकार सेल्सो एमोरिम ने सोमवार को कहा कि ब्राजील बीआरआई में शामिल नहीं होगा, बल्कि चीनी निवेशकों के साथ साझेदारी के वैकल्पिक तरीके खोजेगा। उन्होंने ब्राजील के अखबार ओ ग्लोबो से कहा कि ब्राज़ील चीन के साथ संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाना चाहता है, बिना किसी परिग्रहण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। एमोरिम ने कहा, ''हम कोई संधि नहीं कर रहे हैं।'' हांगकांग से संचालित अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार ब्राजील का यह फैसला चीन की इस योजना के विरोधाभासी है कि 20 नवंबर को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की ब्रासीलिया की राजकीय यात्रा के दौरान इसे मुख्य रूप से अंजाम दिया जाए। अखबार के अनुसार ब्राजील के अर्थव्यवस्था और विदेश मंत्रालयों के अधिकारियों ने हाल में इस विचार का विरोध किया था।

### उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए लगभग 10,000 सैनिक रूस भेजे हैं : अमेरिका

ब्रसेल्स। उत्तर कोरिया ने अगले कुछ हफ्तों में यूक्रेन में लड़ने के लिए लगभग 10,000 सैनिक रूस भेजे हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय 'पेंटागन' की प्रवक्ता सबरीना सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिंह ने कहा कि इनमें से कुछ सैनिक लड़ाई के लिए पहले ही यूक्रेन के नजदीक पहुंच चुके हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारी चिंता बढ़ रही है क्योंकि रूस इन सैनिकों का इस्तेमाल युद्ध में या रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के खिलाफ युद्ध अभियानों में सहायता के लिए करना चाहता है।'' सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन पहले ही सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे चुके हैं कि यदि उत्तर कोरिया के सैनिकों का इस्तेमाल युद्ध के मैदान में किया जाता है, तो उन्हें युद्धरत पक्ष माना जाएगा, जिससे हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भी सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने कहा है कि उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक पहले ही रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में तैनात किए जा चुके हैं, जहां रूस यूक्रेनी सैनिकों को पीछे धकेलने के लिए संघर्ष कर रहा है।

**आवश्यकता है**

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।